* 18th Year
* Issue: 07
* 25.04.2024 (THURSDAY)
* ROURKELA
* R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
* (Pages-6)
* Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक
कलिंग समाचार
The kalingasamachar
प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल
Published From Rourkela

दूसरे चरण के लिए थमा चुनावी प्रचार, शुक्रवार को 88 सीटों पर होगी वोटिंग

नयी दिल्ली २४/०४ (संवाददाता): लोकसभा चुनाव के लिए दूसरे चरण के मतदान के लिए मंच तैयार है। दूसरे चरण में वोटिंग 26 अप्रैल को 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 88 निर्वाचन क्षेत्रों में होगा। मतदान शुक्रवार सुबह 7 बजे शुरू होगा और शाम 5 बजे समाप्त होगा। 26 अप्रैल होने वाले चुनाव को लेकर आज प्रचार खत्म हो गया है। दूसरे चरण के मतदान में भारतीय जनता पार्टी ;बीजेपीद्ध और विपक्षी भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन ;इंडियाद्ध ब्लॉक के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण में जो लोग चुनाव लड़ रहे हैं उनमें राजनांदगांव से भूपेश बघेलए बेंगलुरु ग्रामीण से डीके सुरेशए बेंगलुरु उत्तर से शोभा करंदलाजेए बेंगलुरु दक्षिण से तेजस्वी सूर्याए मांड्या से एचडी कुमारस्वामीए वायनाड से राहुल गांधीए पथानामथिट्टा से अनिल एंटनीए तिरुवनंतपुरम से शशि थरूर और राजीव चंद्रशेखर शामिल है। लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण में चुनाव लड़ने वाले उ मीदवारों में जोधपुर से गजेंद्र सिंह शेखावतए जालौर से वैभव गहलोतए मथुरा से हेमा मालिनीए मेरठ से अरुण गोविल शामिल हैं।केरल में 20 नए लोकसभा सदस्यों को चुनने के लिए शुक्रवार को मतदान होना है। 2019 के चुनावों मेंए कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफए जिसने 19 सीटें जीतींए ने 47.48 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया। सीपीआई ;एमद्ध के नेतृत्व वाले वाम मोर्चाए जिसे सिर्फ एक सीट मिलीए को 36.29 प्रतिशत वोट मिलेए जबकि भाजपा 15.64 प्रतिशत वोट शेयर हासिल करने में सफल रही।

कर्नाटक में कुल 28 लोकसभा क्षेत्र हैं। शेष 14 निर्वाचन क्षेत्रोंए ज्यादातर उत्तरी जिलों मेंए 7 मई को मतदान होंगे। कर्नाटक के अधिकांश दक्षिणी और तटीय जिलों मेंए 14 लोकसभा सीटों पर 247 उ मीदवार . जिनमें 226 पुरुष और 21 महिलाएं शामिल हैं . जीत के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश की आठ लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार बुधवार शाम छह बजे समाप्त हो गया। जिन सीटों पर शुक्रवार को मतदान होगाए उनमें अमरोहाए मेरठए बागपतए गाजियाबादए गौतमबुद्ध नगरए बुलंदशहरए अलीगढ़ और मथुरा शामिल है। उत्तर प्रदेश में 80 लोकसभा सीट हैं और इन सीटों पर सभी सात चरणों में मतदान होगा।

त्रिपुरा पूर्व लोकसभा सीट के लिए हुआ धुआंधार प्रचार बुधवार को थम गया। इस सीट पर 26 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए भारतीय जनता पार्टी ;भाजपाद्ध की कृति देवी देबबर्मन और मार्क्सवादी क युनिस्ट पार्टी ;माकपाद्ध के राजेंद्र रियांग समेत नौ उ मीदवार मैदान में हैं।

भाजपा को खुश करने के लिए ईसीआई ने कराया इतना लंबा चुनाव-ममता

कोलकाता २४/०४ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल की मु यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को दावा किया कि भाजपा ने उनके भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के दूसरे नंबर के नेता अभिषेक बनर्जी को मारने की कोशिश की। बनर्जी ने बीरभूम और बर्दवान में चुनाव प्रचार को संबोधित करते हुए यह दावा किया।

बनर्जी ने कहा तुमने अभिषेक को मारने की भी कोशिश की लेकिन हमें पहले ही पता चल गया। उसके घर की रेकी भी कीए उसे फेसटाइम पर बुलाया और मिलने का समय मांगा।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग ;ईसीआई पर भाजपा की मदद करने का आरोप लगाया है। ममता ने कहाए चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रियों को देश के संसाधनों का इस्तेमाल कर प्रचार करने के लिए 7 चरण के चुनाव की योजना बनाई है।

तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जो लोग उनके ;भाजपा केद्ध खिलाफ बोलते हैंए वे उनकी हत्या करना चाहते हैं या उन्हें जेल में डालना चाहते हैं। वे ऐसे लोगों को इस दुनिया से हटाना चाहते हैं। अगर आपको अपनी जीत का इतना भरोसा है तो लोगों को धमकाने की क्या जरूरत है।ष् कोलकाता पुलिस के विशेष कार्य बल ने सोमवार को मुंबई से राजाराम रेगे नाम के व्यक्ति को अभिषेक बनर्जी के घर और द तर के बाहर कथित रूप से रेकी करने के मामले में गिर तार किया था।

अंबानी-अडानी के लिए जी रहे पीएम मोदी और अमित शाह-खड़गे

२४/०४ (संवाददाता):कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर दशकों पहले स्थापित राज्य के स्वामित्व वाले कारखानों को अंबानी और अडानी को बेचने का आरोप लगाया। उन्होंने मोदी को गांधी परिवार को दोष देने के बजाय उनसे लूटा गया धन वापस लेने की भी चुनौती दी। उन्होंने कहा कि 1989 के बाद से गांधी परिवार का कोई भी सदस्य प्रधान मंत्रीए मु यमंत्री या कोई मंत्री नहीं रहा है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि मोदी कहते हैं कि गांधी परिवार ने देश को लूटा। आप प्रधानमंत्री हैंए लूटा हुआ पैसा बरामद करें। खड़गे ने अपने गृह जिले कलबुर्गी के अफ्जलपुर में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी कहते हैं कि

उन्होंने बड़े.बड़े काम किये हैंण् क्या कर डालेघ् पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने जो बड़ी.बड़ी फैक्ट्रियां स्थापित की थींए उन्हें आप बेच रहे हैं और खा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस देश में क्या हो रहा है कि दो विक्रेता और दो खरीदार हैं। बेचने वाले मोदी और शाह हैं और खरीदार अंबानी और अडानी हैं। खड़गे ने दावा किया कि मोदी और शाह श्अंबानी और अडानी के लिए जी रहे हैंए देश के लोगों के लिए नहीं। खड़गे ने प्रधानमंत्री के इस बयान पर उनकी आलोचना की कि कांग्रेस लोगों की मेहनत की कमाई और कीमती सामान श्घुसपैठियोंश् और श्जिनके अधिक बच्चे हैंश् उन्हें देने की योजना बना रही हैए और सत्ता में आने पर श्माताओं और बहनों का सोनाश् चुरा लेगी। खड़गे ने कहा कि मोदी कहते हैं कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो वे आपका मंगलसूत्र छीन लेंगे। वह किस तरह के पीएम हैंघ् उन्हें शर्म आनी चाहिए। हमने इस देश पर 55 साल तक राज किया।

खतरनाक एजेंडा चला रही कांग्रेस, ओबीसी से आरक्षण छीन कर अपने खास वोट बैंक को देना चाहती है-मोदी

२४/०४ (संवाददाता): मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज चुनावी प्रचार किया। बैतूल में उन्होंने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आपका आशीर्वाद मेरी बहुत बड़ी पूंजी है। जनता.जनार्दन, ईश्वर का रूप होती है और जब जनता.जनार्दन आशीर्वाद देती हैए तो वह स्वयं ईश्वर का आशीर्वाद होता है। इन दिनों आशीर्वाद देने का एक ही तरीका है कि कमल का बटन दबाकर आप अपना आशीर्वाद मोदी तक पहुंचाइए। उन्होंने कहा कि आपके एक वोट ने विदेशों में भारत का डंका बजा दिया। आपके एक वोट ने सीमा पर से हमें आंख दिखाने वाले दुश्मन के होश ठिकाने लगा दिए। आपके एक वोट ने 500 साल के इंतजार के बाद रामलला को भव्य मंदिर में विराजमान कराया।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस का खतरनाक छिपा हुआ उद्देश्य अब खुलकर सामने आ चुका है। सेक्युलरिज्म के नाम पर वोट बैंक की राजनीति करने वाली कांग्रेस ने सामाजिक न्याय की मूलभूत भावना की भी हत्या कर दी है। अब ये खुलकर सामने आ गया है कि कांग्रेस पार्टी दलितोंए पिछड़ों और आदिवासियों से कितनी नफरत करती है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस का सबसे बड़ा विरोध बाबा साहेब अंबेडकर ने किया था। बाबा साहेब दूर का देख सकते थे। कांग्रेसए देश को कैसे पतन की राह पर ले जा रही हैए ये बाबा साहेब ने उस समय देख लिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे संविधान निर्माताओं ने मिलकर धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दे सकतेए ये निर्णय किया था। ये हमारे संविधान की मूल भावना थीए लेकिन कांग्रेस के कारनामे संविधान के मूल भावना के भी खिलाफहैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा बाबा साहेब के संविधान को मिटाने और एससीध्एसटी और ओबीसी से आरक्षण को छीनने की कोशिश करती रही है। कांग्रेस एससीध्एसटी और ओबीसी से आरक्षण छीन कर अपने खास वोट बैंक को देना चाहती है। उन्होंने कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनी थीए तब उन्होंने सबसे पहले आंध्र प्रदेश में धर्म आधारित आरक्षण की शुरुआत की थी। लेकिन तब कांग्रेस अपने मंसूबों में पूरी तरह कामयाब नहीं हो पाई थी। लेकिन कांग्रेस अब भी वह खेल खेलना चाहती है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि कर्नाटक में ओबीसी को जो आरक्षण मिलता हैए उस ओबीसी के कोटे से आरक्षण का हिस्सा छीनने के लिए कांग्रेस ने प्रदेश के सभी मुस्लिमों को ओबीसी बना दिया। कांग्रेस की ये हरकत पूरे देश के ओबीसी समाज के लिए खतरे की घंटी है। उन्होंने कहा कि अपने घोषणापत्र में कांग्रेस लगातार धर्म आधारित आरक्षण की बात करती है। तेलंगाना के कांग्रेस के मु यमंत्री ने अभी नाम लेकर कहा है कि वह मुस्लिमों को आरक्षण दिलवा कर रहेंगे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। अब कांग्रेस ने देश के लोगों की संपत्ति छीन कर उसे भी अपने वोट बैंक को मजबूत करने की तैयारी शुरु की है। अगर किसी के पास एक से ज्यादा गाड़ीए मोटर साइकिलए घर होगा तो उसे कांग्रेस की सरकार बनने के बाद सरकार द्वारा जब्त कर लिया जाएगा।

परिवारवादी और भ्रष्टाचारी पार्टियों का जमावड़ा है घमंडिया अलायंस-नड्डा

राजनगर २४/०४ (संवाददाता): बिहार में चुनावी प्रचार जोर पकड़ चुका है। इसी बीच भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा आज बिहार में चुनाव प्रचार करने पहुंचे हैं। राजनगर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि आज देश में रिपोर्ट कार्डए जवाबदेहीए विकासवाद और लोगों की सेवा करने की राजनीति चलती है। ये संस्कृति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमें मिली है। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी देश को आगे बढ़ाने का काम प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया है। एक मजबूत सरकार बनाकर उन मुद्दों को पूरा कियाए जिनके लिए आप वर्षों से लगे हुए थे।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आपने मजबूत सरकार बनाईए तो अयोध्या में भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई। आपने मजबूत सरकार बनाईए तो धारा 370 को धराशायी कर दिया गया। तीन तलाक को सदा के लिए समाप्त कर दिया गया। उन्होंने कहा कि आपने मजबूत सरकार बनाईए तो ब।। लाकर बांग्लादेशए अफगानिस्तान और पाकिस्तान से प्रताड़ित होकर भारत आए हमारे हिंदूए पारसीए सिखए ईसाई भाइयों को नागरिकता दी गई। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ये घमंडिया अलायंस परिवारवादी और भ्रष्टाचारी पार्टियों का जमावड़ा है। इसमें हर तरह का भ्रष्टाचार करने वाले लोग हैं। ये सभी लोग या तो बेल पर हैं या जेल में हैं।

नड्डा ने कहा कि लालू प्रसाद का चारा घोटाला तो पुराना हो गया हैए उस पर तो ये बेल पर हैं। अब तो इन्होंने नौकरी के बदले जमीन का घोटाला कर दिया। गरीब लोगों को नौकरी देने के बहाने उनकी जमीन ले ली।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने कोर्ट में एफिडेविट दिया था कि राम काल्पनिक हैंए उनका कोई वैज्ञानिक आधार या ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है। ये कोर्ट में केस को अटकाते थेए लटकाते थेए भटकाते थे। प्रधानमंत्री मोदी जी के प्रयास से कोर्ट से फैसला मिलाए राम मंदिर बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ और 22 जनवरी को भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई।

सोनिया के डर से उद्धव प्राण प्रतिष्ठा में भी शामिल नहीं हुए-अमित शाह

अमरावती २४/०४ (संवाददाता):केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी कहते थे कि अनुच्छेद.370 हटीए तो देश में खून की नदियां बह जाएंगी। 5 साल हो गए खून की नदियां तो छोड़ों आज तक किसी की एक कंकड़ तक चलाने की हि मत नहीं हुई। पीएम मोदी ने अनुच्छेद.370 हटाकर इस देश से आतंकवाद को समाप्त कर कश्मीर को हमेशा के लिए भारत का बनाने काम किया है। कांग्रेस पार्टी अफवाह फैला रही है कि अगर भाजपा को 400 सीटें मिल गई तो आरक्षण चला जाएगा। लेकिन मैं आपको स्पष्ट बता देता हूं कि भाजपा न आरक्षण को जाने देगी और न ही हटाएगी। ये मोदी की गारंटी है। हमने बहुमत का प्रयोग अनुच्छेद.370 हटाने के लिए कियाए तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाने के लिए

किया और सीएए लाने के लिए किया।

अमरावती में एक सार्वजनिक बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि उद्धव ठाकरेए जो खुद को शिव सेना का अध्यक्ष होने का दावा करते हैंए शिव सेना का यह फर्जी अध्यक्ष सोनिया गांधी के डर से प्राण प्रतिष्ठा में भी शामिल नहीं हुए। श्राहुल बाबाश् को भी निमंत्रण मिलाए लेकिन वे श्प्राण प्रतिष्ठाश् में शामिल नहीं हुए। इन लोगों ने श्प्राण प्रतिष्ठाश् में शामिल न होकर भगवान राम का अपमान किया है।

यवतमाल में भाषण देते हुए मंच पर अचानक बेहोश हुए नीतिन गडकरी

यवतमाल २४/०४ (संवाददाता): केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी मंगलवार दोपहर महाराष्ट्र के यवतमाल में एक चुनावी रैली में बोलते समय बेहोश हो गए। रतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता को तुरंत उपचार मिला और वह थोड़े समय के अंतराल के बाद मंच पर वापस आने और अपना भाषण जारी रखने में सक्षम हुए। अपना भाषण पूरा करने के तुरंत बाद गडकरी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पुसदए महाराष्ट्र में रैली के दौरान गर्मी की वजह से असहज महसूस किया। लेकिन अब पूरी तरह से स्वस्थ हूँ और अगली सभा में स मलित होने के लिए वरूड के लिए निकल रहा हूँ। आपके स्नेह और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। घटना का वीडियो एक्स पर लाइव स्ट्रीम हो गया

था। इस वीडियो में नितिन गडकरी को मंच पर मौजूद लोगों द्वारा ले जाते हुए दिखाया गया।

गडकरी नागपुर से उ मीदवार हैं। इस सीट पर पहले चरण में वोट डाले जा चुके हैं। यह सीट उन्होंने 2014 और 2019 में जीती थी। गडकरी यवतमाल में राजश्री पाटिल के लिए प्रचार कर रहे थे। राजश्री शिंदे गुट की उ मीदवार हैं। इस साल की शुरुआत में गडकरी के राजनीतिक भविष्य के बारे में अटकलें लगाई गई थींए जब बीजेपी की तरफसे उन्हें नागपुर लोकसभा उ मीदवार के रूप में नामित करने में देरी की गई थी। जिस पर चुटकी लेते हुए उद्धव ठाकरे ने शिवसेना उद्धव गुट के साथ जुड़ने का निमंत्रण भी दिया था। उद्धव ने कहा था कि मैंने यह बात दो दिन पहले ही गडकरी को बता दी थी और मैं इसे दोबारा दोहरा रहा हूं। यदि आपका अपमान किया जा रहा हैए तो भाजपा छोड़ दें और महा विकास अघाड़ी में शामिल हो जाएं। हम आपकी जीत सुनिश्चित करेंगे।

विविध समाचार

मुस्लिम कोटा को लेकर बार-बार कांग्रेस पर निशाना साध रहे मोदी, क्या है इसके पीछे का मकसद ?

नयी दिल्ली २४/०४ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस ने धर्म के आधार पर आरक्षण बढ़ाकर मुसलमानों को देने की कोशिश की। टोंक में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2004 में जैसे ही कांग्रेस ने केंद्र में सरकार बनाईए उसका पहला काम ष्आंध्र प्रदेश में एससीध्एसटी आरक्षण को कम करनाष् और मुसलमानों को देना था। उन्होंने दावा किया कि यह एक पायलट प्रोजेक्ट था जिसे कांग्रेस पूरे देश में आज़माना चाहती थी। 2004 से 2010 के बीच कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में चार बार मुस्लिम आरक्षण लागू करने की कोशिश की लेकिन कानूनी अड़चनों और सुप्रीम कोर्ट की जागरूकता के कारण वह अपनी मंशा पूरी नहीं कर पाईण्ण् 2011 में कांग्रेस ने इसे पूरे देश में लागू करने की कोशिश की। मोदी ने यह भी कहा कि जब कर्नाटक में भाजपा सरकार को मौका मिला तो उसने सबसे पहला काम मुस्लिम कोटा खत्म करने का किया‌ए जो एसटीध्एससी से छीनकर बनाया गया था।

अविभाजित आंध्र प्रदेश ;तेलंगाना सहितद्ध में मुसलमानों के लिए आरक्षण पहली बार 1993.1994 में प्रस्तावित किया गया था जब कोटला विजयभास्कर रेड्डी.कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने अल्पसं यक कल्याण मंत्रालय की स्थापना की थी। अगस्त 1994 मेंए शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में मुसलमानों और 14 अन्य जातियों को 5: कोटा प्रदान करने वाला एक सरकारी आदेश जारी किया गया था। 1994 और 1999 में कांग्रेस की हार के कारण इसे लागू नहीं किया जा सका। 2004 मेंए कांग्रेस ने मुसलमानों के लिए 5: कोटा को चुनावी वादा किया। जब वाई एस राजशेखर रेड्डी ने पार्टी को सत्ता में पहुंचायाए तो उन्होंने घोषणा की कि इसे दो महीने के भीतर लागू किया जाएगा। वाईएसआर सरकार में मंत्री रहे और वर्तमान तेलंगाना कांग्रेस सरकार के अल्पसं यक मामलों के सलाहकार मोह मद अली शब्बीर के अनुसारए केंद्र में सत्ता में आई यूपीए सरकार ने आरक्षण को पूरा समर्थन दिया था। हालाँकिए कई व्यक्तियों ने उच्च न्यायालय का रुख किया और अदालत ने सरकार से कोटा घटाकर 4: करने को कहा क्योंकि अन्यथा यह 50: की सीमा का उल्लंघन होगा।

2009 के लोकसभा चुनावों के लिए अपने घोषणापत्र मेंए जब वह सत्ता में फिर से चुनाव की कोशिश कर रही थीए कांग्रेस ने नौकरियों और शिक्षा में मुसलमानों के लिए राष्ट्रव्यापी आरक्षण का वादा किया था। विचार यह था कि 27: ओबीसी कोटा के भीतर एक मुस्लिम उप.कोटा बनाया जाए। जैसे ही यूपीए सरकार के चुनाव पूर्व कदम पर सवाल उठाया गयाए चुनाव आयोग ने हस्तक्षेप किया और मनमोहन सिंह सरकार से यूपी सहित पांच राज्यों में चुनाव के अंत तक कोटा लागू नहीं करने को कहा। विवाद को और हवा देने वाली बात तत्कालीन कानून मंत्री सलमान खुर्शीदए जिनके पास अल्पसं यक मामलों के मंत्रालय का प्रभार भी थाए ने यूपी में चुनाव प्रचार के दौरान एक बयान दिया था कि अगर पार्टी जीतती है तो कांग्रेस राज्य में पिछड़े अल्पसं यकों को 9: आरक्षण देगी। इसके बाद चुनाव आयोग ने खुर्शीद को कारण बताओ नोटिस जारी किया और उनसे यह बताने को कहा कि उनके खिलाफकार्रवाई क्यों नहीं शुरू की जानी चाहिए। फरवरी 2012 मेंए उसने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए खुर्शीद की निंदा की।

हालाँकिए खुर्शीद अवज्ञाकारी रहेए उन्होंने कानून मंत्री के रूप में उनकी निंदा करने के चुनाव आयोग के अधिकार पर सवाल उठायाए जिसके बाद तत्कालीन मु य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी ने तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल को पत्र लिखकर चुनाव आयोग को चुनौती देने के लिए मंत्री के खिलाफशिकायत की। राष्ट्रपति ने पत्र तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भेज दिया। आखिरकार खुर्शीद पीछे हट गए। उन्होंने कुरैशी को लिखे पत्र में कहा कि मैं इस मामले को दुर्भाग्यपूर्ण मानता हूं और बयान पर खेद व्यक्त करता हूं। मैं चुनाव आयोग की बुद्धिमत्ता को नमन करता हूं और यह सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रतिबद्ध हूं कि ऐसी स्थितियां उत्पन्न न हों।मई 2012 मेंए आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने यूपीए सरकार के 4ण्5: उप.कोटा कदम को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि इसे बनाने वाला कार्यालय ज्ञापन धार्मिक आधार पर थाए न कि किसी अन्य विचार पर। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटायाए लेकिन उसने हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। अपने 2014 के लोकसभा चुनाव घोषणापत्र मेंए कांग्रेस ने कहा कि उसकी यूपीए सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी रोजगार में आरक्षण प्रदान करने के लक्ष्य के साथ पिछड़े अल्पसं यकों की स्थितियों को संबोधित करने के लिए कदम उठाए हैंए और कहारू ष्हम इस मामले को अदालत में बारीकी से उठाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि नीति उचित कानून के माध्यम से लागू हो।

मार्च 2023 मेंए कर्नाटक में विधानसभा चुनावों से पहलेए राज्य की तत्कालीन भाजपा सरकार ने ष्2बीष् पिछड़ा वर्ग श्रेणी के तहत मुसलमानों को दिए गए 4: आरक्षण को खत्म कर दिया और समुदाय को सामान्य श्रेणी ईडब्ल्यूएस के लिए 10: कोटा पूल में स्थानांतरित कर दिया। आमतौर पर माना जाता है कि कर्नाटक में मुसलमानों के लिए उनके सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन के आधार पर सरकारी नौकरियों और शिक्षा में कोटा 1994 में एचडी देवेगौड़ा द्वारा पेश किया गया था जब वह मु यमंत्री थे। हालाँकिए मुसलमानों के लिए ष्2बीष् श्रेणी के निर्माण के माध्यम से उनकी जनता दल सरकार का कदमए उस प्रक्रिया की निरंतरता थी जो 1918 में तत्कालीन मैसूर रियासत के शासन के दौरान शुरू हुई थी। वास्तव में कई राज्य आयोगों द्वारा वैज्ञानिक जांच के माध्यम से मुसलमानों की पहचान ष्सामाजिक रूप से पिछड़ेष् के रूप में की गई थी। देवेगौड़ा और उनकी पार्टी जद;एसद्ध संयोग से अब कर्नाटक में भाजपा की सहयोगी हैं।

पप्पू यादव का बड़ा वार, बोले-मुझे रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे तेजस्वी, उनमें लालू के जैसा धैर्य नहीं

पूर्णिया २४/०४ (संवाददाता): बिहार के पूर्णिया में सियासी संघर्ष से जबरदस्त तरीके से जारी है। एक ओर पूर्णिया सीट लालू यादव के लिए नाक का सवाल बन गया है। तो दूसरी और पप्पू यादव जबरदस्त तरीके से इस सीट पर अपनी ताकत लगा रहे हैं। हालांकिए यह सीट लगातार एनडीए के कब्जे में रहा है। लेकिन इस बार मुकाबला त्रिकोणीय नजर आ रहा है। पप्पू यादव ने निर्दलीय चुनाव लड़कर इस सीट को लेकर लोगों की दिलचस्पी और भी बढ़ा दी है। इसकी वजह से वह राजत और तेजस्वी यादव के निशाने पर आ गए हैं। तेजस्वी यादव ने तो यहां तक कह दिया कि लोगों के सामने दो ही विकल्प है या तो एनडीए या फिर इंडिया गठबंधनए तीसरे की ओर जाने की जरूरत नहीं है। तेजस्वी के तीसरे का मतलब पप्पू यादव से निकाला गया। अब इसी को लेकर पप्पू यादव तेजस्वी पर पलटवार कर रहे हैं। पप्पू यादव ने साफतौर पर कहा है कि तेजस्वी यादव मुझे रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। वह कितनी भी सफाई दे। लेकिन इतनी नफरत मुझे लेकर क्यों हैघ् पता नहीं। राजद के कई नेता पूर्णिया में लगातार कैंप किए हुए हैं। उन्होंने साफतौर पर कहा कि राजद के नेताओं को सारण और पाटलिपुत्र जैसे जगह पर अपनी ताकत लगानी चाहिए जहां लालू परिवार के लोग लड़ रहे हैं। पूर्णिया में राजद क्यों कैंप कर रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि हमें जनता के दिल में जगह बनानी है। हमको विकास का काम करना है। जात.पात नहीं चलेगा। तेजस्वी पूर्णिया में राजद उ मीदवार बीमा भारती के लिए जोर.शोर से प्रचार कर रहे हैं।

पप्पू यादव ने कहाए ष्वह इतने अधीर क्यों हो जाते हैंघ् ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें अपने पिता से धैर्य विरासत में नहीं मिला है।ष्ष् उन्होंने कहाए ष्मैं परेशान नहीं हूं। मैं एक पुरानी नीति कथा से प्रेरणा लेता हूंए जिसमें एक ऋषि बिच्छू के डंक से अप्रभावित रहे थे।ष्ष् पप्पू यादव ने इस सवाल को नजरअंदाज कर दिया कि क्या उन्हें लगता है कि तेजस्वी यादव ने भारती की हार को स्वीकार कर लिया हैए जो हाल ही में जदयू छोड़कर राजद में शामिल हुई थीं। हालांकिए वह उनपर भाजपा की ष्बी टीमष् होने के संबंध में बार.बार लगने वाले आरोपों पर भड़क गए। पप्पू यादव ने व्यंग्यात्मक रूप से कहाएष्ष् मैं आम आदमी हूं और राजा या राजकुमार पर टिप्पणी नहीं कर सकता। ष्ष् उन्होंने कहाए ष्लेकिन यह बी टीम की बात क्या हैघ् क्या वह उन सभी वरिष्ठ राजद नेताओं पर भी यही लेबल लगाएंगेए जिन्होंने हाल ही में पार्टी छोड़ दी हैघ्ष्ष् उन्होंने कहा कि वह ष्इंडियाष् गठबंधन की ओर से चुनाव लड़ रहे हैं।

पप्पू यादव ने कहाए ष्26 अप्रैल को मतदान के दिन पूर्णिया की जनता इतिहास रचेगी। इसके बाद मैं अमेठी और रायबरेली सहित अनेक जगहों पर ष्इंडियाष् गठबंधन के लिए चुनाव प्रचार करूंगा।

इंदिरा, राजीव, मनमोहन के सलाहकार, भारतीय सूचना क्रांति के अग्रदूत, कौन हैं राहुल के अंकल सैम, अपने बयानों से कांग्रेस की बढ़ाते रहे हैं मुश्किलें

नयी दिल्ली २४/०४ (संवाददाता): कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने अपने विरासत कर वाले बयान से एक और विवाद खड़ा कर दिया है और इस लोकसभा चुनाव के मौसम में सत्तारूढ़ भाजपा को हथियार दे दिया है। विवाद बढ़ता देख कांग्रेस ने इससे किनारा काटते की कोशिश की है। पित्रोदा और कांग्रेस दोनों ने स्पष्ट किया है कि यह उनकीव्यक्तिगत राय थीए लेकिन इस विवाद के जल्द खत्म होने की संभावना नहीं है। 13 राज्यों में 89 सीटों पर दूसरे चरण का मतदान होना है और ऐसे वक्त में वोटिंग से ठीक पहले इस तरह के बयान को बीजेपी की तरफसे लपक लिया गया है। पीएम मोदी से लेकर अमित शाह तक इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं।

भारत में संचार क्रांति का जनक भले ही राजीव गांधी और उनके सिपहसलार सैम पित्रोदा को माना जाता है। राजीव गांधी के दिमाग में भारत को सूचना प्रोद्योगिकीए इंटरनेट की दुनिया से जोड़ने का जुनून सवार था। राजीव गांधी ने देश में कंप्यूटर और संचार साधनों की नींव रखी। पित्रोदा कांग्रेस पार्टी की विदेशी शाखाए इंडियन ओवरसीज कांग्रेस को लीड करते हैं।

भारत के साथध्भारत के लिए अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को बेहतर बनाने के लिए प्रवासी भारतीयों को प्रोत्साहित करनेए संलग्न करनेए संगठित करने और सशक्त बनाने के लिए इसका गठन किया गया। सैम पित्रोदा की निजी वेबसाइट उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स मानित दूरसंचार उद्यमीए निवेशकए विकास विचारक और नीति निर्माता के रूप में वर्णित किया है। वेबसाइट के मुताबिकए उन्होंने आईटी सेक्टर में 50 साल बिताए हैं। पित्रोदा ने तीन प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधीए राजीव गांधी और डॉण् मनमोहन सिंह के साथ काम किया है। राजीव गांधी के नेतृत्व में पित्रोदा छह प्रौद्योगिकी मिशन ;दूरसंचारए जलए साक्षरताए टीकाकरणए डेयरी उत्पादन और तेल बीजद्ध का नेतृत्व किया।

वर्तमान में वो राजीव के बेटे और इंदिरा के पोते पूर्व कांग्रेस प्रमुख राहुल गांधी के साथ मिलकर काम करते हैं। 81 वर्षीय पित्रोदा पांच गैर सरकारी संगठनों के संस्थापक अध्यक्ष भी हैंए जिनमें इंडिया फूड बैंकए ग्लोबल नॉलेज इनिशिएटिव और इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसडिसिप्लिनरी हेल्थ शामिल हैं। अपनी पत्नी के साथ शिकागो के निवासीए उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका में कई कंपनियां भी शुरू कीं। साल 2019 में लोकसभा चुनाव के बीच सैम पित्रोदा का 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर दिया एक बयान पार्टी के लिए मुसीबत बन गई थी। एएनआई को दिए एक बयान में पित्रोदा ने कहा था कि मैं इसके बारे में नहीं सोचताए यह भी एक और झूठ है. 1984 की बारे में अब क्याघ् आपने पिछले 5 साल में क्या कियाण् 84 में हुआ तो हुआ, आपने क्या किया.

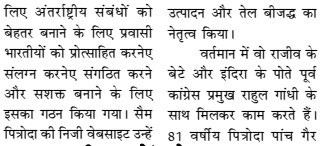

प्रियंका ने बीजेपी पर लगाया असली मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप

२४/०४ (संवाददाता): कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी की आलोचना की और कहा कि उसके नेता केवल देश का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने के लिए भाषण देते हैं। उन्होंने अपने हमले को और तेज करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के अन्य नेता हर दिन एक अप्रासंगिक मुद्दा उठाते हैं और उनके बारे में आलोचना करते हैं। केरल के वायनाड लोकसभा क्षेत्र में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुएए जहां उनके भाई राहुल गांधी फिर से चुनाव लड़ रहे हैंए उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार मूल्य वृद्धि और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को संबोधित करने में विफल रही। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव ष्लोकतंत्र और भारत के संविधान की रक्षाष् का एक अवसर है। प्रियंका ने आरोप लगाया कि भाजपा शासन के पिछले 10 वर्षों में पेट्रोलए डीजल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें ष्तेजी सेष् बढ़ी हैं। इसी तरहए उन्होंने कहा कि बेरोजगारी दर में वृद्धि हुई है। हालांकिए उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और भाजपा नेता इन समस्याओं का समाधान नहीं करेंगे। गांधी परिवार पर व्यक्तिगत हमलों पर प्रियंका ने कहा कि वे मेरा परिवार हैंए मैं उनका बचाव क्यों नहीं करूंगीघ्ण्ण्मैं विश्वास के साथ दावा कर सकती हूं कि उनकी पार्टी में अधिक हैं। जब वे वंशवाद की बात करते हैं तो उन्हें समझना चाहिए कि हर परिवार की गरिमा होती हैए हर परिवार के कुछ सिद्धांत होते हैं। परिवार के सदस्य उन सिद्धांतों के लिए हमेशा लड़ते रहेंगे। यही हमारी परंपरा है। भगवान राम ने भी ऐसा ही कियाण्ण्ण्सच्चाई जनता के सामने है।उन्होंने कहा कि इस ;गांधीद्ध परिवार के सदस्यों ने देश के लिए अपनी जान दे दी। हम ऐसा करना जारी रखेंगे। मोदी के बार को लेकर उन्होंने कहा कि यह उनकी पुरानी आदत है। हम शुरू से लेकर आज तक विजन की बात करते आए हैं, आप मेरा भाषण भी सुन सकते हैं,जब आप उनके भाषण सुनेंगे तो पता चलेगा कि उनके पास क्या हैघ् कैसी दृष्टिघ् आप विजन 2047 कहते हैं.

जनता की आंखों में धूल झोंक रही है कांग्रेस-राजनाथ सिंह

२४/०४ (संवाददाता): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में श्बौद्धिक स मेलनश् को संबोधित किया। राज्य में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ हो रहे है। अपने संबोधन में राजनाथ ने कहा कि जब भी मुझे आंध्र प्रदेश आने का अवसर मिलता है तो मुझे यहां का जीवंत कल्चरए जबरदस्त संभावनाएं अपनी ओर आकर्षित करता है। वर्ष 2013 में जब आंध्र प्रदेश का विभाजन हुआ तो बहुत सारे बकाया मुद्दों का समाधान कांग्रेस ने नहीं दिया था। उन्होंने कहा कि रिलीजन के नाम पर देश को बांटने वाली कांग्रेस आजादी के बाद पहले दिन से ही समाज को बाँटने वाली तुष्टिकरण की राजनीति करती चली आ रही है। तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति कांग्रेस के क्छ। में है।

राजनाथ ने कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए की सरकार थी तो उन्होंने ष्रंगनाथ मिश्र कमीशनष् और ष्सच्चर कमीशनष् का गठन किया था। इन दोनों कमीशनों का उद्देश्य था कि कैसे एक संप्रदाय विशेष को अल्पसं यक कल्याण के नाम पर तरजीह दी जाए। स्वयं पूर्व प्रधानमंत्री डॉण् मनमोहन सिंह जी ने कहा था कि इस देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अगर किसी का है तो अल्पसं यकों का है और खासकर मुसलमानों का है। मेरा मानना ??है कि यह असंवैधानिक है। उन्होंने कहा कि वह आंध्र प्रदेश की कांग्रेस सरकार ही थी जिसने यहाँ कांग्रेसी के ष्क युनल एजेंडेष् की पहली लेबोरेटरी बनाई थी और यहाँ पर मुस्लिम समुदाय को कंस्टीट्यूशन की धज्जियाँ उड़ाते हुए सरकारी नौकरियों में मजहब के आधार पर आरक्षण दिया गया।

उन्होंने कहा कि यह आंध्र प्रदेश में ष्बैब्ज् और ष्व्ठब् को मिले आरक्षण में से कमी करके मुसलमानों को आरक्षण देने का प्रयास किया गया और वोटबैंक की राजनीति के चलते डर्टी गेम खेला गया। मगर आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने इस निर्णय पर रोक लगा दी।

उसके बावजूदए साल 2004 से 2010 के बीच कांग्रेस ने 4 बार आंध्र प्रदेश में ष्मुस्लिम रिजर्वेशनष् लागू करने की कोशिश की। लेकिन कानूनी अड़चनों और सुप्रीम कोर्ट की जागरूकता के कारण वो अपने मंसूबे पूरे नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है कि प्रधानमंत्री झूठ बोल रहे हैं जबकि सच्चाई यह है कि कांग्रेस खुलेआम इस देश की जनता की आँखों में धूल झोंक रही है।

भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस ने जो अपना मैनिफेस्टो बनाया हैए उसमें उसने जो जो वादे किए हैंए वे इस देश और समाज में नया डिवीज़न पैदा करेंगे। कांग्रेस के घोषणा पत्र में माइनॉरिटीज़ वाले चैप्टर में सेक्शन 3 और 6 को साथ में पढ़ने पर साफ़ हो जाता है कि कांग्रेस क्या करना चाह रही है। मेरी चिंता इससे भी कहीं अधिक बड़ी है क्योंकि कांग्रेस ने अपने मैनिफेस्टो में जो कुछ भी ष्माइनॉरिटी वेलफेयरष् के नाम पर कहा हैए वह ष्सच्चर कमेटीष् की रिपोर्ट से प्रभावित है।

उन्होंने कहा कि इस कांग्रेस मैनिफेस्टो में सरकारी नौकरियों में धार्मिक अल्पसं यकों के लिए आरक्षण का संकेत दिया हैए जो यदि लागू कियाए तो उसमें सशस्त्र बल को भी इसके दायरे में ले सकता है। यह देश की एकता.अखंडता को प्रभावित करने वाला विचार है। यह इस देश के लिए बहुत भयावह स्थिति होगी। उन्होंने कहा कि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार के खजाने हमेशा खाली रहे हैं। इसके बावजूद आज आन्ध्र प्रदेश 13ण्5 लाख करोड़ के कर्ज मे डूबा हुआ है। जबकि हर ज्ंग को ल्ैब्च् सरकार ने बढ़ा दिया है। आंध्र प्रदेश के हर व्यक्ति के सिर पर 2 लाख रुपये का क़र्ज़ लदा हुआ है।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिंक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहा जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छांछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

कैसे तैयार करें जीरा-धनिया सौंफ का डिटॉक्स ड्रिंक

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि भोजन स्वस्थ जीवनशैली में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जीरा, धनिया और सौंफ से तैयार डिटॉक्स ड्रिक जिसके सेवन से यह शरीर से विषाक्त पदार्थ को बाहर निकालने में मदद करता है, साथ ही त्वचा को कोमल और स्वस्थ चमकदार बनाने में भी सहायक है, आइए जानते हैं।

वजन घटाने और चमकती त्वचा के लिए जीरा

यह भारतीय मसाला अपने विभिन्न स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है। जीरा पाचन संबंधी समस्या को खत्म करता है और पाचन तंत्र मजबूत करता है। साथ ही वजन कम करने में भी यह बहुत काम आता है। यह पोटेशियम, कैल्शियम व कॉपर जैसे पोषक तत्वों से भी समृद्ध है, जो आपकी त्वचा को कोमल रखने में मदद कर सकता है।

वजन घटाने और चमकदार त्वचा के लिए धनिया

धनिया विभिन्न प्रकार के खनिजों और विटामिनों का एक अच्छा स्रोत है, जो शरीर के अतिरिक्त वजन को कम करने में मदद करता है। धनिये के बीजों में एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा संबंधी कई समस्याओं के इलाज के लिए प्रभावी हो सकते हैं। इसलिए धनिये का सेवन महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि गर्मी और पसीने के कारण त्वचा पर अतिरिक्त तेल त्वचा की विभिन्न समस्याओं को जन्म देता है।

वजन घटाने और चमकती त्वचा के लिए सौंफ

मुंहासे त्वचा से जुड़ी एक आम समस्या है और सौंफ को त्वचा को ठंडा करने के लिए जाना जाता है। इसमें जस्ता, कैल्शियम और सेलेनियम जैसे गुण होते हैं, जो शरीर में हार्मोन और ऑक्सीजन के स्तर को संतुलित करने के लिए अच्छे होते हैं, जो त्वचा पर एक स्वस्थ चमक लाते हैं। साथ ही इससे वजन कम होता है।

कैसे तैयार करें जीरा-धनिया-सौंफ का पानी?

आधा चम्मच जीरा, धनिया और सौंफ को 1 गिलास पानी में रातभर भिगो दें। अगली सुबह इस पानी को अच्छी तरह उबाल लें और पानी छान लें। काला नमक, शहद और आधा नीबू का रस इसमें मिला लें।

- इस डिटॉक्स ड्रिंक से जहां आपको मिलेगी ग्लोइंग स्किन वहीं होगा आपका कई किलो वजन कम।
- यह आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर मसालों का पानी है। जो शरीर में कई तरह की कमी को पूरा करके मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है।
- यह डिटॉक्स ड्रिंक स्किन को चमकदार और साफ भी रखता है।
- पाचन शक्ति बढ़ाने के लिए भी अच्छा है। जिंक, कैल्शियम, सेलेनियम जैसे कई न्यूट्रिएंट्स हैं इनमें होने के कारण हार्मोन्स को बैलेंस रखने में भी मदद करता हैं।

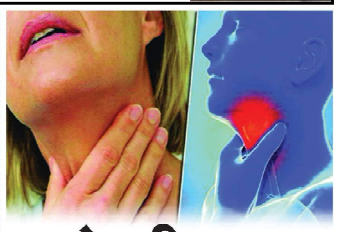

गले की खराश से न घबराएं ये तरीके आजमाएं

गले में खराश होने पर किसी भी कार्य में मन नहीं लगता है। बार-बार खराश आती है। कई बार आस-पास मौजूद लोग भी परेशान हो जाते हैं। जब खराश बहुत अधिक बढ़ जाती है तब हम सीधे ऐलोपैथिक दवा लेने के बारे में सोचते हैं। लेकिन घर में मौजूद कई सारी चीजें है जिनके सेवन से आप घर पर आसानी से खराश से छुटकारा पा सकते हैं। तो जानते हैं घर पर कैसे आसानी से गले में हो रहे खराश को दूर भगाएं -

नमक पानी की गरारे

जी हां, आपको हर थोड़े - थोड़े दिन में कफ हो जाता है तो आप पानी में नमक डालकर उसे गर्म कर लीजिए। और तीन वक्त गर्म पानी के गरारे करें। आपको 2 दिन में ही आराम मिलने लगेगा। साथ इसके कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है। आप रोज भी कर सकते हैं। कफ खत्म होने के साथ ही आवाज भी खुलती है और साफ भी होती है। शोध में भी इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि नमक के पानी के गरारे करने से गले की सूजन और दर्द में भी आराम मिलता है। डॉक्टर भी नमक के पानी के गरारे करने की सलाह देते हैं।

सोना सुहागी

जी हां, यह आपको किचन में आराम से मिल जाएगी। सोना सुहागी को रात में दूध से लिया जाता है। इससे आपको एक दिन में ही आराम मिल जाएगा। सोना सुहागी सफेद रंग की होती है उसे तवे पर धीमी आंच पर रखा जाता है, वह धीरे - धीरे फूलने लगती है। इसके बाद गैस बंद कर दीजिए। और दूध के साथ लेकर सो जाएं। इसे लेने के बाद आप पानी या अन्य चीज कुछ भी खाएं पिएं नहीं। आपको अगले दिन सुबह ही आराम मिल जाएगा।

शहद और काली मिर्च

रसोई घर पर हर दर्द की दवा है। रात को सोने से पहले आप एक चम्मच में शहद लें और काली मिर्च को उसमें मिक्स कर दें। वह एक चम्मच आप पूरा खा लीजिए। इसके बाद किसी भी चीज का सेवन नहीं करें, पानी का भी नहीं। अगले दिन सुबह आपको आराम मिल जाएगा।

अदरक

अदरक में एंटी बैक्टीरियल तत्व मौजूद होते हैं। एक कप पानी में अदरक को डालकर उबाल लें। इसे गुनगुना होने के बाद इसमें शहद मिलाएं और दिन में दो बार पिएं। इसके सेवन से आपके गले का कफ दूर होगा और दर्द में भी आराम मिलेगा।

मसाला चाय

जी हां, चाय के सेवन से भी काफी राहत मिलती है। चाय में आप लौंग, तुलसी, अदरक, काली मिर्च डालकर उबाल लें। इसके बाद पानी में शक्कर और चाय की पत्ती डालकर उबालें और फिर छानकर पिएं। इसके सेवन से आपको कफ में भी राहत मिलेगी और गले के दर्द में भी आराम मिलेगा।

अमृतधारा

यह भीमसेनी कपूर, पिपरमिंट और अजवाइन के सत से बनती है और खराश में इसे गले पर लगाने और बूंद भर सेवन करने से आश्चर्यजनक फायदा करती है.

चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

आपको क्या करना है?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

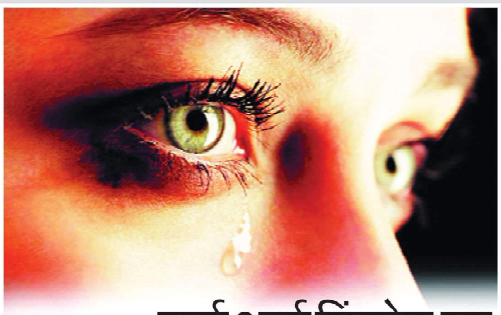

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा - आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल - नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी - कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक - कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकाई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा - साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध - कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा - एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू - एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

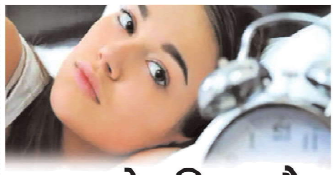

इंसोमनिया और ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया का कॉकटेल है कॉस्मिया

क्या आप 'इंसोमनिया' के साथ-साथ 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' से भी जूझ रहे हैं? अगर हां तो संभल जाइए। 'यूरोपियन रेसपिरेटरी जर्नल' में छपे एक ऑस्ट्रेलियाई अध्ययन में 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' के कॉकटेल यानी 'कॉस्मिया' को ज्यादा घातक करार दिया गया है। शोधकर्ताओं ने इसका सामना करने वाले लोगों में हृदयरोगों से मौत का खतरा कई गुना ज्यादा पाया है।

सबसे आम बीमारियां

विशेषज्ञों के मुताबिक 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' नींद से जुड़ी सबसे आम बीमारियां हैं। वैश्विक स्तर पर 10 से 30 फीसदी आबादी के इनके शिकार होने का अनुमान है। बड़ी संख्या में ऐसे पीड़ित भी मौजूद हैं, जिन्हें दोनों की शिकायत होती है।

क्या हैं प्रमुख लक्षण

फिलंडर्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया कि 'इंसोमनिया' में व्यक्ति को सोने में दिक्कत, बार-बार नींद टूटने और जल्द आंख खुलने की शिकायत सताती है। वहीं, 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' में खर्राटे, गला चोक होने और सांस लेने में तकलीफ की समस्या आम है।

हाइपरटेंशन का जोखिम

डॉ.बेस्टियन लेचत के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने नींद की बीमारियों से जूझ रहे 5000 से अधिक मरीजों के स्वास्थ्य डाटा का विश्लेषण किया। इस दौरान 'कॉस्मिया' के शिकार लोगों में हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) का खतरा दोगुना मिला। उनमें हृदयरोगों की आशंका भी 70 फीसदी ज्यादा पाई गई।

असामयिक मौत का खतरा

कॉस्मिया' से पीड़ित लोगों के वक्त से पहले मौत का शिकार होने का जोखिम भी 47 फीसदी अधिक दर्ज किया गया है। चूंकि, 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' का कॉकटेल ज्यादा जानलेवा है, इसलिए एक का सामना कर रहे मरीज में दूसरे के लक्षणों पर भी गौर फरमाना जरूरी है।

कलिंग समाचार

संपादकीय

गुरूवार 25 अप्रैल 2024

प्रतिबंधों के बाद बड़े खनिज तेल झटके की ओर बढ़ रहा है विश्व

80 प्रतिशत रूसी तेल निर्यात पश्चिमी शिपर्स द्वारा किया जाता है। इनमें से अधिकांश शिपर्स बीमा देयता के अधीन हैंए जो अंतरराष्ट्रीय समूह ;आईजीद्ध द्वारा प्रदान किया गया है। आखिरकारए यूरोपीय संघ द्वारा समुद्री प्रतिबंध रूसी तेल को स्थानांतरित करने के लिए पश्चिमी शिपरों को प्रतिबंधित कर देगा। ये दो चालें. समुद्री बीमा प्रतिबंध और मूल्य सीमांक कठिन स्थिति पैदा करेंगी। रूसी तेल पर प्रतिबंधों को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैंए जो दुनिया में एक और बड़े तेल झटके की ओर बढ़ रहा है। रूस दुनिया में तेल का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। यूरोपीय संघ रूस से तेल का सबसे बड़ा आयातक है। यूरोपीय संघ ने रूसी तेल के समुद्री निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है और दिसंबर 2022 में यूएस .60 प्रति बैरल की कीमत कैप लगा दी है। ये रूसी तेल पर मूल्य कैपिंग के लिए यूएसएए जी.7 और ऑस्ट्रेलिया के अनुरूप हैं। इससे नाराज रूस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए 1 फरवरीए 2023 से 6 महीने के लिए 1 जुलाईए 2023 तक इन देशों को तेल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। लगभग 80 प्रतिशत रूसी तेल निर्यात पश्चिमी शिपर्स द्वारा किया जाता है। इनमें से अधिकांश शिपर्स बीमा देयता के अधीन हैंए जो अंतरराष्ट्रीय समूह ;आईजीद्ध द्वारा प्रदान किया गया है। आखिरकारए यूरोपीय संघ द्वारा समुद्री प्रतिबंध रूसी तेल को स्थानांतरित करने के लिए पश्चिमी शिपरों को प्रतिबंधित कर देगा। ये दो चालें. समुद्री बीमा प्रतिबंध और मूल्य सीमांक कठिन स्थिति पैदा करेंगी तथा रूस द्वारा इन देशों को निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के जवाबी कदम से दुनिया एक और बड़े वैश्विक तेल संकट में घिर जायेगी। इन्हें देखते हुए 2023 में दुनिया में तेल की कीमतों में वृद्धि होना तय लगता है। सैद्धांतिक रूप सेए इसका प्रभाव भारत पर पड़ना चाहिएए क्योंकि भारत की 90 प्रतिशत से अधिक तेल आवश्यकता आयात से पूरी होती है। जैसे.जैसे तेल की कीमतों में वृद्धि हुईए देश ने सस्ती सीमा से ऊपर मुद्रास्फीति के आगे घुटने टेक दिए। बहरहालए प्रतिबंधों के साथ भारत एक अलग स्थिति में साबित हुआ है। विभिन्न रिपोर्टों से पता चलता है कि प्रतिबंधों का भारत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि भारत प्रतिबंधों के प्रति बहुत उत्सुक नहीं बल्कि मितभाषी था। नतीजतनए अमेरिका की कड़ी आपत्तियों के बावजूदए रूस.यूक्रेन युद्ध के आगमन के बाद से रूस से भारत का तेल आयात बढ़ गया। प्रतिबंधों पर सवारी करने के लिए भारत और रूस ने वैकल्पिक व्यवस्था की है। भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी बीमा को स्वीकार कर लिया है। रूसी तेल आपूर्तिकर्ता अपने स्वयं के जहाजों और शिपिंग व्यवस्था का उपयोग करके यूराल तेल परिवहन को भारत में स्वयं संभालने की कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावाए भारत सरकार ने नौ भारतीय बैंकों को रूसी बैंकों के साथ वोस्ट्रो खाते खोलने की अनुमति दी है। इससे करेंसी स्वैपिंग डील में रुपये के कारोबार में रूसी तेल से निपटने में आसानी होगी। भारतीय यूको बैंक ने रूसी गज़्प्रॉम बैंक और वीटीबी बैंकों के साथ वोस्ट्रो खाते खोले हैं। भारत का रूस से तेल का आयात 2022.23 के छह महीनों के भीतर पूर्व के केवल 2 प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हो गया है। अप्रैल.अक्टूबर 2022 के दौरानए भारत ने रूस से 24ए139 हजार टन तेल का आयात किया ;2021 में इसी अवधि में 2ए968 हजार टन थाद्धए जो 87ण्5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि को रेखांकित करता है। यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के बाद चीन और भारत रूसी तेल के सबसे बड़े आयातक देश बनकर उभरे हैं। छोटे परिवहन मार्ग के कारण भारत चीन की तुलना में रूसी उरालसिल खरीदने के लिए बेहतर स्थिति में है और इसकी रिफाइनरियां रूसी तेल को परिष्कृत करने के लिए उपयुक्त हैं। भारत ने रूस द्वारा प्रदान किये गये जहाजों और बीमा कवरों को मान्यता दी हैए जो अब यूरोप में मान्यता प्राप्त नहीं हैं। तेल पर्यवेक्षकों ने आकलन किया कि रूस से तेल को मंजूरी देने वाले देशों के बीच गोलीबारी और रूस द्वारा जवाबी कार्रवाई से भारत को लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

प्रांतीय राजनीति की चुनौती

अरविन्द मोहन

क्षेत्रीय दलों की धमक बढ़ने के पीछे उनकी संसद मे उपस्थिति बढ़नी मु य कारण था। उनके मजबूत समर्थकों ने जोखिम लेकर भी उनके उ मीदवारों को संसद में भेजा। जाहिर तौर पर ऐसा राज्य में मजबूती आने के बाद हुआ। और एक समय तो ऐसा आया कि चुनाव आयोग की परिभाषा से राष्ट्रीय मानी जाने वाली सारी पार्टियों के सांसदों की कुल सं या क्षेत्रीय दलों के सांसदों से कम होने लगी।

नरेंद्र मोदी और उनकी प्रचार मंडली को इस बात का श्रेय दिया ही जाना चाहिए कि वे इस चुनाव में कई मामलों में बढ़त बना चुके हैं। सरकारए भाजपा की जगह मोदी की गारंटी और चार सौ पार जैसे नारों से उन्होंने अपने समर्थकों को उत्साहित करने की कोशिश की है। नए नारे या जुमले गढ़ने में मोदी जी का जबाब नहीं है। पहले भी काफी बार ऐसे नारे गढ़े गए थे और उनके न पूरा होने या चुनाव हारने के बाद अमित शाह को कहना पड़ा कि ये तो अपने कार्यकर्ताओं को उत्साहित और प्रेरित करने के लिए हैं।

आज यह सवाल सबसे मौजूं है कि चार सौ सीटें आएंगी कहां सेघ् जो कोई राज्यवार हिसाब लगाता है वह सारी उदारता बरतते हुए भी 272 पार नहीं कर पाता क्योंकि उत्तर और पश्चिम के राज्यों में भाजपा ने पिछली बार लगभग सारी सीटें जीती थीं और दक्षिण तथा पूरब में बहुत कम। इस बार दक्षिण और पूरब में भी सीटें बढ़ने की जगह घटती लग रही हैं और उत्तर तथा पश्चिम में भी। वहां भाजपा के लिए सीटें बढ़ाने की गुंजाइश तो नहीं ही बची है। भाजपा को अपने सौ से ज्यादा सांसदों का टिकट काटना पड़ा है और जगह.जगह बगावत है। कई मंत्री बेटिकट रह गए हैं। दर्जन भर मुद्दों की रस्साकशी के बाद मोदी जी खुद मुद्दा बन गए हैंए सारा चुनाव अपने ऊपर ओढ़ लिया है। चुनाव घोषणा पत्र में सबसे ज्यादा 65 बार नरेंद्र मोदी आया है।

जब काफी लंबी अनिश्चितता के बाद अचानक इंडिया गठबंधन उभर आया तो सारी कवायद उसे बदनाम करनेए तोड़ने और एक श्शेर और जाने कितने गीदड़ोंश् की लड़ाई बताने की रही। पर जल्दी ही समझ आया कि लीडर के दावे और सारे प्रचार के बावजूद विविधता भरे इस देश में गठबंधन के बगैर काम नहीं चलाने वाला है तो सारे लिहाज छोड़कर जाने किस.किस दल या नेता के साथ गठबंधन किया गयाए एनडीए को पुनर्जीवित करने का नाटक किया गया। कई राज्यों में स्थानीय मजबूद क्षेत्रीय दल के खिलाफ साम. दाम. दंड. भेद अपनाने के बावजूद बात नहीं बनी।

इस बदलाव के बावजूद यही लगता है कि भाजपा के रणनीतिकारों को यह बात समझ ही नहीं आई है कि नब्बे के दशक के बाद इस देश की राजनीति एकदम बदल गई है। भले इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1985 में कांग्रेस को 413 सीटें मिलीं लेकिन उसे अपना कार्यकाल पूरा करना भारी पड़ गया। जीत के इसी गुमान में कांग्रेस ने अपने चंडीगढ़ अधिवेशन में एकला चलो का नारा दिया था जबकि वीण्पीण् सिंह ने अपने मुट्ठी भर साथियों के साथ अलग किस्म की राजनीति की और भाजपा तथा क युनिष्ट पार्टियों को भी मजबूर किया कि वे उनकी सरकार को समर्थन दें।

दुर्भाग्य से यह प्रयोग तो लंबा नहीं चला लेकिन कांग्रेस और भाजपा दोनों को गठबंधन राजनीति और क्षेत्रीय दलों की उभरती ताकत का अंदाजा हो गया। राव साहब ने क्षेत्रीय दलों को गलत ढंग से पटाकर अल्पमत की सरकार चलाई लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा ने तो धारा 370 हटानेए राम मंदिर का निर्माण और कामन सिविल कोड जैसे अपने बुनियादी मसलों को ताक पर रखकर नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस. एनडीए बनाया और राज किया।

यह नई चीज थी. देश में क्षेत्रीय दलों की राजनीति का निरंतर प्रबल होना। नेहरू के समय के कांग्रेस के बारे में माना जाता था कि वह सामाजिक स्तर पर एक श्रेनबो कॉलिशनश् बनाकर चलती थी। प्रसिद्ध राजनीति विज्ञानी रजनी कोठारी इसे नेहरू माडल ही कहते हैं। हालांकि तब भी पूर्वोत्तरए तमिलनाडु और पंजाब में भिन्न स्वर सुनाई देने लगे थे लेकिन कुल मिलाकर कांग्रेस सारे समाज को साथ रखती थी। पर धीरे धीरे वह ब्राह्मणए दलित और मुसलमान पार्टी बनने लगी और मध्य जातियां समाजवादी आंदोलन के प्रभाव में उससे छिटकती गईं। कालांतर उन्होंने अपनी मजबूत पार्टियां बनाईं। आज उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टीए बिहार में राष्ट्रीय जनता दलए हरियाणा में लोकदलए पंजाब में अकाली दलए कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस.पीडीपीए ओडिशा में बीजदए पण् बंगाल में टीएमसी और दक्षिण के राज्यों की तो पूरी राजनीति क्षेत्रीय दलों के कब्जे में आ गई।

शुरू में कांग्रेस और कथित राष्ट्रीय पार्टियां इन आंदोलनोंध्दलों को देश की एकता के लिए खतरा बताती थींए इनके नेताओं को जातिवादी.परिवारवादी बताती रहीं। लेकिन वीपी सिंह वाले प्रयोग ने यह ठप्पा हटा दिया। देश में पहली बार सिर्फ एक मुसलमान मु ती मोह मद सईद को गृह मंत्री ही नहीं बनाया गया थाए अंगरेजी न जानने वाले देवी लाल उप प्रधानमंत्री और फिर तो रक्षा मंत्रालयए स्वास्थ्य मंत्रालयए रेलवे मंत्रालय समेत सारे महत्वपूर्ण मंत्रालयों पर क्षेत्रीय सूरमा आए और उन्होंने मजे से बढ़िया शासन किया। श्कुशासन और जंगल राजश् के लिए बदनाम लालू यादव का रेल मंत्रालय प्रबंधन हार्वर्ड के मैनेजमेंट कोर्स में शामिल हुआ। कई फैसले ;खासकर क्षेत्रीय दल से जुड़े मंत्रियों को लेकरद्ध दिल्ली की जगह चेन्नईए लखनऊ और पटना में होने लगे। देश टूटने का खतरा और देशद्रोही वाला तमगा जाने कहां बिला गया। करुणानिधिए जयललिता और प्रकाश सिंह बादल जैसे लोग दिल्ली नहीं आए लेकिन दिल्ली की राजनीति में उनकी धमक बढ़ी।

क्षेत्रीय दलों की धमक बढ़ने के पीछे उनकी संसद मे उपस्थिति बढ़नी मु य कारण था। उनके मजबूत समर्थकों ने जोखिम लेकर भी उनके उ मीदवारों को संसद में भेजा। जाहिर तौर पर ऐसा राज्य में मजबूती आने के बाद हुआ। और एक समय तो ऐसा आया कि चुनाव आयोग की परिभाषा से राष्ट्रीय मानी जाने वाली सारी पार्टियों के सांसदों की कुल सं या क्षेत्रीय दलों के सांसदों से कम होने लगी। वोट प्रतिशत में वे कब का पचास फीसदी पार कर गई थी। इधर दो चुनाव से और पुलवामा की घटना के बाद मोदी तथा भाजपा के आसमान पर पहुंचने के बाद यह हुआ कि राष्ट्रीय पार्टियों के सांसदों की सं या फिर आधे से ऊपर हो गई थी ;हालांकि क्षेत्रीय दलों की हिस्सेदारी भी 42.43 फीसदी हैद्ध लेकिन मत प्रतिशत में पिछली लोक सभा में भी क्षेत्रीय दल ऊपर थे। और इस बार मोदी और मीडिया के सारे शोर.शराबे के बावजूद अगर पहली नजर में और राज्यवार गिनती में भाजपा चार सौ या 370 के कहीं आसपास नहीं लगती है तो उसका कारण क्षेत्रीय दलों की निरंतर बनी मजबूती है।

बात इतनी नहीं है। क्षेत्रीय दल समाज और राजनीति की जो जरूरत पूरी करते हैं उसे पूरा करना किसी राष्ट्रीय दल के वश की बात नहीं है। हिन्दूए अगड़ाए पुरुषए शहरी और कारपोरेट हितों का रक्षक होना अगर भाजपा का मु य चरित्र बन गया है तो पिछड़ाए दलितए आदिवासीए अल्पसं यकए गरीब और ग्रामीण जनता ही क्षेत्रीय दलों का आधार और भाजपा से ज्यादा चिंता के केंद्र में है। भाजपा जैसे.जैसे ज्यादा ताकतवर हुई है ज्यादा बेशर्मी से मुसलमानों से आंख फेरती जा रही है। हल्के एहसास के साथ भाजपा ने बीजदए अन्नाद्रमुकए भारत देशम पार्टी और अकाली दल के साथ गठबंधन बनाने का असफल प्रयास किया। तमिलनाडु में उसका घुसना मुश्किल हो गया तो आंध्र में उसे चंद्रबाबू का सहारा लेना पड़ा है जिसे पार्टी की सरकार ने केन्द्रीय एजेंसियों के माध्यम से पचहत्तर दिन जेल में रखा था। जेल से नेताओं को तोड़ने का प्रयास तो पूरे देश में हो रहा है लेकिन हेमंत सोरेन और अरविन्द केजरीवाल की गिर तारी ने हवा बदल दी है।

अदालत ने अगर चुनावी बांड पर भाजपा के भ्रष्टाचार को उजागर किया तो इन गिर तारियों ने हवा बदली है। पहला लक्षण तो मुरझाए इंडिया गठबंधन में जान आना है। कांग्रेस भी अब एकला चलो का नारा छोड़ने से काफी आगे आ गई है। अब तो वह देश भर में जातिवार जनगणना और आरक्षण की सीमा पचास फीसदी से भी ऊपर करने की मांग को लेकर आई है।

कर्नाटक में कांग्रेस दे रही भाजपा–जदएस को कड़ी टक्कर

कल्याणी शंकर

कांग्रेस सरकार ने पिछले साल किये गये पांच आवश्यक चुनावी गारंटियों को लागू कर दिया हैए जिसमें महिलाओं के लिए मु त बस यात्राए शिक्षा के लिए धन में वृद्धि और रोजगार सृजन शामिल था। ये वायदे क्षेत्र के मतदाताओं की विशिष्ट चिंताओं को दूर करने और सामाजिक कल्याण और आर्थिक विकास के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करने के लिए तैयार किये गये थे।

कर्नाटक में लोकसभा चुनाव हो रहे हैं जिसके लिए 26 अप्रैल और 7 मई को सभी 28 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होंगे। कांग्रेस पार्टी और भाजपा.जद;एसद्ध गठबंधन मतदाताओं का समर्थन हासिल करने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा उ मीदवारों के प्रचार के लिए कई बार राज्य का दौरा कर चुके हैं। भाजपा को पूर्व मु यमंत्री येदियुरप्पा का समर्थन प्राप्त हैए जो लिंगायत समुदाय के बीच प्रभावशाली हैं जो राज्य में एक महत्वपूर्ण वोट बैंक हैं। यह चुनाव कर्नाटक के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं और इसके इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण हैं।

कर्नाटक अतीत में कांग्रेस का गढ़ रहा है। इसने आपातकाल के बाद भी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का समर्थन कियाए जो इसके राजनीतिक महत्व का एक प्रमाण है। यह ऐतिहासिक महत्व इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी की जीत से स्पष्ट हैए दोनों ने कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के लिए सीटें जीतीं।

ये चुनाव सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं है बल्कि कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी.जनता दल ;सेक्युलरद्ध गठबंधन के बीच एक बड़ी लड़ाई है। वे कर्नाटक के राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा के दोबारा प्रवेश का प्रतीक हैं। चुनाव नीतिगत प्राथमिकताओं और शासन शैली को बदल सकता हैए जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था और समाज के विभिन्न क्षेत्रों पर संभावित प्रभाव पड़ सकता है। परिणामों का लोगों के जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगाए जिससे शासन प्रक्रिया में उनकी भागीदारी और समझ महत्वपूर्ण हो जायेगी।

भाजपा दक्षिण में अपने क्षेत्रीय प्रभुत्व को मजबूत करनेए राष्ट्रीय राजनीति में अपनी स्थिति बढ़ाने और दक्षिण भारत में अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार करने के लिए आगामी कर्नाटक चुनावों में विजयी होना चाहती है। इसके विपरीतए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस राज्य में अपनी सरकार की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। साथ हीए जद;एसद्ध अत्यधिक प्रतिस्पर्धी राजनीतिक माहौल में जीवित रहने का प्रयास कर रहा है। संक्षेप मेंए जद ;एसद्ध राज्य में एक राजनीतिक दल के रूप में अपनी प्रासंगिकता बनाये रखने का प्रयास कर रहा है।

कर्नाटक में भाजपा का प्रचार अभियान पीएम मोदी की उपलब्धियों और कांग्रेस की विफलताओं पर केंद्रित है। यह दो प्रभावशाली समुदायोंए लिंगायत और वोक्कालिगा को लक्षित करता हैए जो इसकी चुनावी रणनीति के लिए महत्वपूर्ण हैं। राज्य में एक प्रमुख समुदाय होने के नाते लिंगायत पारंपरिक रूप से भाजपा का समर्थन करते रहे हैं।

इसके विपरीतए एक अन्य प्रभावशाली समुदाय वोक्कालिगाए जद ;एसद्ध का मजबूत जनाधाररहा है। भाजपा की चुनावी सफलता के लिए इन समुदायों पर जीत हासिल करना महत्वपूर्ण है।

भाजपा को कुछ स्थानीय संघर्षों का सामना करना पड़ रहा है। 2014 के बाद पहली बार पार्टी में खुली बगावत हुई है। इसकी वजह भाजपा.जेडी;एसद्ध गठबंधन हैए जिसे अभी तक अच्छा समर्थन नहीं मिला है। कांग्रेस के भी अपने बागी उ मीदवार हैं। कांग्रेस कर्नाटक में एससीए एसटी और मुसलमानों पर भरोसा रख रही है।

कांग्रेस सरकार ने पिछले साल किये गये पांच आवश्यक चुनावी गारंटियों को लागू कर दिया हैए जिसमें महिलाओं के लिए मु त बस यात्राए शिक्षा के लिए धन में वृद्धि और रोजगार सृजन शामिल था। ये वायदे क्षेत्र के मतदाताओं की विशिष्ट चिंताओं को दूर करने और सामाजिक कल्याण और आर्थिक विकास के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करने के लिए तैयार किये गये थे।

एडिनाए न्यूज 18 और इंडिया टुडे ग्रुप के तीन चुनाव पूर्व सर्वेक्षण कर्नाटक के आगामी चुनावों के लिए परस्पर विरोधी परिणामों की भविष्यवाणी करते हैं। एडिना का अनुमान है कि कांग्रेस 17 सीटें जीतेगीए और भाजपा.जेडी;एसद्ध गठबंधन को 11 सीटें मिलेंगी। न्यूज 18 का अनुमान है कि एनडीए 25 सीटें जीतेगीए कांग्रेस केवल 3 ;इंडिया टुडे ग्रुप का अनुमान है कि एनडीए 53फीसदी वोट शेयर के साथ 24 सीटें जीतेगी। इंडिया गठबंधन को 42फीसदी वोट शेयर के साथ केवल चार सीटें मिलने की उ मीद है। ये सर्वेक्षण वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य का एक स्नैपशॉट प्रदान करते हैं। वे पाठकों को चुनाव के संभावित परिणामों का अनुमान लगाने में मदद कर सकते हैं।

2019 के चुनावों से एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है जब कांग्रेस और जद ;एसद्ध सहयोगी थे। भाजपा का लक्ष्य पुराने मैसूर में वोक्कालिगा वोटों को सुरक्षित करना और चुनाव को अपने पक्ष में झुकाना है। पुराने मैसूर क्षेत्र का एक प्रमुख समुदाय वोक्कालिगा पारंपरिक रूप से जद ;एसद्ध का समर्थन करता रहा है। इस समुदाय पर जीत हासिल करने की भाजपा की रणनीति में जाति.आधारित पहुंचए विकास के वायदे और जद ;एसद्ध सरकार की विफलताओं को उजागर करना शामिल है। सफल होने परए यह रणनीति चुनाव परिणाम और राज्य के राजनीतिक परिदृश्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है।

भाजपा ने अपने उ मीदवारों में एक शीर्ष हृदय रोग विशेषज्ञए मैसूरु शाही परिवार के सदस्य और एक पूर्व मु यमंत्री को मैदान में उतारा है। इसने कुछ नये चेहरों को भी मैदान में उतारा है। कांग्रेस में कई मंत्रियों के रिश्तेदार हैं और ये उ मीदवार नतीजों पर असर डाल सकते हैं। इसने ताकतवर राजनेताओं के परिवार के सदस्यों को मैदान में उतारकर जोखिम उठाया है।

2008 में जब से भाजपा ने अपनी पहली सरकार बनायीए तब से श्गिराने का खेलश् जारी है। पैसा और पद अक्सर विधायकों को वफादारी बदलने के लिए लुभाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैंए जिससे राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में जटिलता की एक और परत जुड़ जाती है। वोट पाने के लिए दोनों पार्टियां पैसा और उपहार खर्च करने को तैयार हैं। दोनों गठबंधनों की पार्टियों के पास पैसा है और मतदाताओं को लुभाने के लिए सभी को भारी रकम चुकानी पड़ रही है। कई उ मीदवारों को पार्टी लेबल की चिंता नहीं है। उनकी चिंता सत्ता हासिल करने की है। देखना होगा कि आगामी लोकसभा चुनाव में कर्नाटक के मतदाता किस तरह अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं।

चीन के आश्वासन पर भरोसा करने की जरूरत नहीं

कागज पर भारत ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स के श्पॉवरइंडेक्स.स्कोरश् और दुनिया की सबसे मजबूत सेनाओं में से एक के रूप में स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट ;सिपरीद्ध जैसे संगठनों के प्रकाशनों से आराम पा सकता है। हालाँकिए जमीन परए इसकी थोड़ी प्रासंगिकता है क्योंकि देश चीन और पाकिस्तान से लगातार सैन्य खतरों के अधीन है। चीन पर भारत की बढ़ती व्यापारिक आयात निर्भरता एक अतिरिक्त चिंता का विषय है। यह स्पष्ट नहीं है कि ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स से भारत के संबंध में चूक हुई या नहीं। चीन के विदेश मंत्री वांग यी का साल के अंत में आश्वासन कि चीन द्विपक्षीय संबंधों के श्स्थिर और मजबूत विकासश् के लिए भारत के साथ काम करने के लिए तैयार है और यह सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिरता बनाये रखने के लिए प्रतिबद्ध है जहां 2020 से गतिरोध बना हुआ है। बयानए माना जाता है कि अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के लिए हैए असत्य है। पिछले महीने ही अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर के पास चीनी सैनिकों की अच्छी तरह से तैनात भारतीय सैनिकों से भिड़ंत हो गयी थी। जनवरी 2021 में दोनों पक्षों के सैनिकों का एक और आमना.सामना हुआ। जून 2020 में गलवान घाटी में कम से कम 20 लोगों की जान लेने वाले चीनी सैनिकों के साथ घातक संघर्ष हुआ था जिसे भारत द्वारा उच्च ऊंचाई वाले हवाई अड्डे के लिए एक नयी सड़क के निर्माण को एक प्रमुख कारण के रूप में देखा जा रहा है। तनाव अभी भी जारी हैए हालांकि चीन संभावित आर्थिक गिरावट के बारे में चिंतित है क्योंकि यह भारत के साथ बड़े पैमाने पर व्यापार अधिशेष चलाता है। द्विपक्षीय संबंधों के श्स्थिर और मजबूत विकासश् के लिए भारत के साथ काम करने की चीन की तत्परता पर वांग यी का आश्वासन सैन्य विघटन की तुलना में आर्थिक संबंधों से अधिक हो सकता है। सरकार असहमत हो सकती हैए लेकिन भारत की दो रक्षा सेवाएं .स्थल सेना और वायु सेना . वास्तविक नियंत्रण रेखा ;एलएसीद्ध पर चीन से सैन्य रूप से मुकाबला करने के लिए पर्याप्त रूप से शक्तिशाली नहीं हैंए जिस पर चीन विवाद करता हैए या चीन प्रशासित अक्साई चिन को पुनरू प्राप्त करने के लिए भारत लद्दाख में अपने लेह जिले के हिस्से के रूप में दावा करता है।

विविध समाचार

हेमंत सोरेन ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा, ईडी की कार्रवाई और गिरफ्तारी को दी चुनौती

रांची २४/०४ (संवाददाता): झारखंड के पूर्व मु यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज ;24 अप्रैलद्ध मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राहत के लिए सुप्रीम कोर्ट ;एससीद्ध का रुख किया।

हेमंत सोरेन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष उनकी गिर तारी को चुनौती देने वाली याचिका का उल्लेख किया। हेमंत सोरेन ने बुधवार को कहा कि उच्च न्यायालय मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ;ईडीद्ध द्वारा गिर तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर फैसला नहीं सुना रहा है। सोरेन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ को बताया कि उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका पर 28 फरवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था लेकिन अभी तक कोई फैसला नहीं आया है।

सिब्बल ने कहा कि उन्होंने 2 फरवरी को उनकी गिर तारी के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया थाए लेकिन पीठ ने उन्हें राहत के लिए उच्च न्यायालय जाने को कहा था। हमने हेमंत सोरेन मामले में अनुच्छेद 32 याचिका दायर की है। महामहिम ने कहा कि उच्च न्यायालय जाओ। हम 4 फरवरी को हाई कोर्ट गए और फिर 27.28 फरवरी को मामले की सुनवाई हुई। अबए आज तक याचिका पर फैसला नहीं सुनाया गया है।

वरिष्ठ वकील ने कहा कि हम फिर से उच्च न्यायालय गए और कहा कि जब तक फैसला नहीं सुनाया जाताए हम आगे या पीछे नहीं जा सकते। न्यायाधीश ने कुछ नहीं कहा। अबए आदमी अंदर होगा और चुनाव खत्म हो जाएगा। फिर हम कहां जाएं जाना?

न्यायमूर्ति खन्ना ने पूछा कि क्या कोई याचिका दायर की गई है और यदि दायर की गई हैए तो वह सूचीबद्ध करने के लिए भारत के मु य न्यायाधीश के सचिवालय को एक ईमेल भेज सकते हैं। सिब्बल ने कहाए श्श्अगर हम कुछ कहेंगे तो वे कहेंगेए हम न्यायपालिका पर हमला कर रहे हैंश्श् और याचिका को शुक्रवार को सूचीबद्ध करने की मांग कीण् न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि वह याचिका की सूचीबद्धता पर कुछ नहीं कह सकते और भारत के मु य न्यायाधीश सचिवालय याचिका को सूचीबद्ध करने की तारीख बताएंगे। पीठ ने कहा कि बस विवरण दीजिए, यह हो जाएगा। आज या कलए आपको मामले को सूचीबद्ध करने की तारीख मिल जाएगी। सिब्बल ने कहा कि उनकी याचिका पर यह अदालत उच्च न्यायालय को फैसला सुनाने का निर्देश देगी और फिर फैसला सुनाया जाएगा।

तो रांची की रैली में इस कारण शामिल नहीं हो पाए बसंत सोरेन, झामुमो नेता ने बताई पूरी सच्चाई

रांची २४/०४ (संवाददाता): झारखंड मुक्ति मोर्चा ने धुर्वा के प्रभात तारा मैदान में आयोजित रैली को अभूतपूर्व बताते हुए दावा किया कि झारखंड का मूड साफतौर पर दिखने लगा है। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि भारी भीड़ का संदेश साफथा कि लोग देश में एक परिवर्तन चाहते हैं और भाजपा राज से मुक्ति चाह रहे हैं। लोगों के अंदर हेमंत सोरेन के साथ हा रहे अन्याय को लेकर आक्रोश है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा को समझ लेना चाहिए कि जनता क्या चाहती है और अब तक की गलतियों के लिए भाजपा को सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए। रविवार को भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी सं या में पहुंचे लोगों ने साफ संकेत दे दिया है। स्थितियां स्पष्ट होने लगी हैं। उन्होंने रैली के दौरान दो गुटों में मारपीट के सवाल पर कहा कि ये भाजपा द्वारा भेजे गए लोगों का काम था। सुप्रियो ने रैली में बसंत सोरेन के अनुपस्थित होने पर भी अपना पक्ष रखा। वे बीमार होने के कारण नहीं आ सकेए उन्हें डिहाइड्रेशन की समस्या हो गई थी। गिरिडीह के विधायक सुदिव्य कुमार सोनू के नहीं पहुंचने को लेकर कहा कि वे गांडेय विधानसभा उपचुनाव की तैयारियों में लगे हैं। उन्होंने कहा कि गर्मी के कारण से स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव हुआ है। बच्चों का गर्मी में बाहर निकलना बहुत ही घातक साबित हो सकता है। इसलिएए आवश्यक है कि बच्चे घर में रहेंए लेकिन स्कूल का अनुशासन भी बना रहे। ऑनलाइन स्कूल चलेंए सभी कक्षाएं नियमित चलें।

आज का राशिफल

मेष – आज के दिन धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियाँ विशेष रहेंगी। मन में द्विधा रहने से ठोस निर्णय नहीं ले सकेंगे। पैसे की लेन–देन या आर्थिक व्यवहार न करने की गणेशजी की सलाह है।

वृषभ – गणेशजी कहते हैं कि व्यापार में वृद्धि होने के साथ व्यापार के स बंध में सौदे लाभदायक साबित होंगे। आय के साधनों में वृद्धि होगी। बुजुर्गों तथा मित्र मंडल से लाभ और सुखद क्षणों का अनुभव मिलेगा।

मिथुन – शारीरिक और मानसिक सुख बने रहेंगे। नौकरी – व्यवसाय में आपके परिश्रम का मुआवजा मिलता हुआ प्रतीत होगा। अधिकारी वर्ग के प्रोत्साहन से आपका उत्साह बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क – गणेशजी कहते हैं कि आज आपकी भाग्य वृद्धि के साथ आकस्मिक धन लाभ होगा। विदेश जाने के इच्छुक लोगों के प्रयास सफल होंगे। तथा विदेश से अच्छे समाचार आएँगे।

सिंह – आज आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना रहेगा। तबीयत के पीछे धन खर्च होने की संभावना है। निषेधात्मक विचार आपको गलत मार्ग पर न ले जाए, उसका ध्यान रखने के लिए गणेशजी कहते हैं।

कन्या – गणेशजी की कृपा से दांपत्यजीवन के सुखद क्षणों का अनुभव करेंगे। सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में आप याति और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। मनोरंजन की प्रवृत्तियों में भाग लेंगे। वस्त्राभूषण और वाहन की खरीदी होगी।

तुला – गणेशजी कहते हैं कि सामान्ज रूप से आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और बीमार व्यक्ति के भी तबीयत में सुधार होगा। घर में सुख– शांति के वातावरण में आप समय व्यतीत करेंगे। कार्य में सफलता और यश मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

वृश्चिक – आज यात्रा प्रवास का आयोजन न करने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य के स बंध में चिंतित रहेंगे। संतानों के स बंध में समस्याएँ खड़ी होंगी। स्वाभिमान भंग न हो इसका ध्यान रखें।

धनु – गणेशजी कहते हैं कि आज आपको अत्यधिक संवेदनशीलता के कारण और घरेलू मामलों को लेकर मानसिक तनाव खड़े होने की संभावना है। मन में उठनेवाली द्विधाओं से आप मानसिक उचाट अनुभव करेंगे।

मकर – आज आप रणनीति में शत्रुओं को परास्त करेंगे। नए कार्यों के आरंभ के लिए तैयार रहें। सफलता मिलेगी। आप हरेक कार्य तन–मन से स्वस्थ रहकर करेंगे। व्यापार–धंधे में लाभ होगा।

कुंभ – गणेशजी बताते हैं कि मन में द्विधाएँ खड़ी होने से आप कोई ठोस निर्णय पर नहीं पहुँच सकेंगे। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। वाणी पर संयम नहीं रहनेसे पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होने की संभावना है।

मीन – आनंद– उत्साह और तन–मन की प्रसन्नता आपके दिन में चेतना और स्फूर्ति का संचार करेंगे। नए कार्य हाथ में लेंगे तो उसमें सफलता मिलेगी। धार्मिक मांगलिक प्रसंगों में जाएँगे।

जेपीएससी सिविल सेवा का रिजल्ट जारी

रांची २४/०४ (संवाददाता): 2023 झारखंड लोक सेवा आयोग ने सोमवार को झारखंड संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा.2023 का परिणाम जारी कर दिया। इस परीक्षा में 7011 अ यर्थी सफल घोषित किए गए हैंए जो मु य परीक्षा में भाग लेंगे।

आयोग ने रिकॉर्ड 35 दिनों में इस परीक्षा का परिणाम जारी किया। यह परीक्षा 17 मार्च को राज्य के विभिन्न शहरों में बनाए गए 834 केंद्रों पर आयोजित की गई थी।इस परीक्षा में 320661 अ यर्थी स मिलित हुए थे। नियमावली के अनुसारए कुल 342 पदों के अनुसार 15 गुना अर्थात 5130 अ यर्थियों का चयन मु य परीक्षा के लिए होना था। लेकिन सभी श्रेणियों में अ यर्थियों के समान अंक प्राप्त होने के कारण कुल 7011 अ यर्थी प्रारंभिक परीक्षा में सफल घोषित किए गए।

सफल अ यर्थियों में 1159 महिला अ यर्थी स मिलित हैं। क्षैतिज आरक्षण में आदिम जनजाति के 16ए खेलकूद कोटा के 60ए दृष्टि बाधित दिव्यांगता से 62, बधिर दिव्यांगता से 46, चलन दिव्यांगता से 45, बौद्धिक एवं मानसिक रूप से कमजोर श्रेणी से 48 अ यर्थी सफल घोषित हुए हैं।

जेपीएससी ने सोमवार को इस परीक्षा का परिणाम के साथ.साथ कट आफ अंक भी जारी कर दिया। अनारक्षितए पिछड़ा वर्गए अत्यंत पिछड़ा वर्ग तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग का कट आफ अंक 246 रहा। इसी तरहए अनुसूचित जाति का कट आफ अंक 236 तथा अनुसूचित जनजाति का कट आफ अंक 224 रहा।

सरकार की नल–जल योजना फेल

गिरिडीह २४/०४ (संवाददाता): हर घर में जल पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश भर में जल जीवन मिशन की शुरूआत की। जल जीवन मिशन के तहत झारखंड सरकार ने घर.घर नल योजना की शुरूआत की। लेकिन गिरिडीह पहुंचते ही इस योजना ने दम तोड़ दिया हैए और लोगों को पीने की पानी भी नसीब नहीं है।हाल ये है कि डेढ़ किमी दूर पहाड़ से गिरते पानी को छानकर महिलाएं व बच्चियां लाती हैए जिससे परिवार के सारे लोगों की प्यास बुझती है। लेकिन इस पानी की जुगाड़ में महिलाओं हर दिन सुबह.शाम दो.दो घंटे जद्दोजहद करनी पड़ती है। यह दुर्दशा गिरिडीह सदर प्रखंड के करहरबारी पंचायत के गुहियाटांड़ गांव की है। जो आदिवासी बाहुल इलाका हैए और यहां की आबादी 500 से अधिक है। हर साल गर्मी दस्तक देने के साथ ही इस गांव का सारा चापानल व कुआं मार्च महीने में ही सूख जाता है। इसके बाद लोगों के बीच पानी की किल्लत शुरू हो जाती है। 15वें वित्त से इस गांव में पानी की टावर भी लगाई गईए लेकिन इससे एक दिन भी ग्रामीणों को पानी नसीब नहीं हुआए और यह बेकार पड़ा है। इस साल की भीषण गर्मी में लोग पानी के लिए त्राहिमाम कर रहे हैं।

घर से डेढ़ किलोमीटर दूर ग्रामीण महिलाएं व छोटे.छोटे बच्चे पहाड़ से गिरने वाली पानी को छानकर डब्बाए बाल्टी.डैग्चीए बोतल में भरकर लाते हैं और उसे खाना बनाने एवं अपनी प्यास बुझाने में इस्तेमाल करते हैं। जिसमें सुबह जो पानी लाते हैंए उससे दोपहर तक काम चल जाता है। फिर शाम में जो लाते हैं उससे रात भर चलता है। जबकि कपड़ा.बर्तन धाने में तालाब के पानी का उपयोग में लाया जाता है।स्थानीय ग्रामीण इसे प्रकृति का दिया हुआ तोहफा मानते हैं। जहां से सालों भर 24 घंटे पानी गिरता ही रहता है। हालांकि गर्मी में पानी का लो कम जरूर होता हैए लेकिन पीने भर पानी मिल जाती है। यहां सुबह 4 बजे से ही महिलाओं की कतार लग जाती है। जो सखुआ पत्ता की टोटी के सहारे बारी.बारी से पानी डब्बा.बर्तन में भरकर लाते हैं। इस दौरान महिलाओं व बच्चियों को घंटों तक इंतजार करनी पड़ती है।

पहाड़ से गिरते पानी को संग्रह करती आदिवासी महिला मनोदी मुर्मूए चिंपी टुडूए संगीता हांसदा आदि ने कहा कि गांव का सारा कुआं व चापानल सूख गया है। पहाड़ से गिरते पानी को छानकर प्यास बुझा रहे हैं। लेकिन आज तक किसी जनप्रतिनिधि व अधिकारी ने कोई खोज खबर नहीं ली। मुखिया से भी शिकायत किया पर कुछ नहीं सुना। अब गांव के सारे लोग एक बार फिर नए डीसी से मिलंगे। करहरबारी के पंचायत समिति सदस्य मनोज दास ने कहा कि गांव में पानी टावर लगा लेकिन वह भ्रष्टाचार का शिकार हो गया।

क्या पार्टी में नेताओं की आवाजाही देती है मजबूती की गारंटी, चुनाव के समय इसलिए पाला बदलते हैं अधिकतर नेता

रांची २४/०४ (संवाददाता): चुनावी बयार में नेताओं की ष्आवाजाहीष् से यह मत समझ लीजिए कि दूसरे दलों के नेताओं के आने से कोई पार्टी मजबूत हो रही है। या किसी पार्टी से किसी नेता के दूसरी पार्टी में चले जाने से पहली वाली पार्टी कमजोर हो रही है। हकीकत तो यह है कि वर्तमान में अधिसं य नेताओं की आवाजाही टिकट को लेकर हो रही है।

चुनाव के बाद नई पार्टी से उनकी निष्ठा रह पाएगीए इसकी कोई गारंटी नहीं है। नेता उस पार्टी में बने रहेंगेए इसका भी दावा नहीं किया जा सकता। टिकट के इंतजार में कोई नेता सुबह में अपनी पार्टी के द तर में बैठा है तो शाम में वह दूसरी पार्टी के द तर में पाया जाता है।

कई बार तो नेता सीधे सदस्यता ग्रहण कर टिकट लेकर लौटते हैं। चुनाव में हार हुई तो फिर उस पार्टी से उनका कोई नाता नहीं रहता। यदि उसी पार्टी में बने भी रहे हैं तो उनकी सक्रियता पार्टी में नहीं रहती।

झारखंड में ददई दूबेए प्रदीप बलमुचूए राधाकृष्ण किशोरए नागमणिए नियेल तिर्कीए ताला मरांडी आदि कई नेताओं के उदाहरण भरे पड़े हैं। कांग्रेस नेता चंद्रशेखर दूबे उर्फ ददई दूबे वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर अपनी पार्टी से नाता तोड़कर तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

हार के बाद इस पार्टी से उनका कोई संपर्क नहीं रहा। बाद में कांग्रेस में उनकी वापसी हुई। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में ये कांग्रेस के टिकट पर विश्रामपुर से चुनाव भी लड़ेए लेकिन उन्हें जीत नहीं मिल सकी।

वर्ष 2014 के ही लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के नियेल तिर्की ने भी टिकट नहीं मिलने पर आजसू के टिकट पर चुनाव लड़ा था। हार के बाद उनका भी आजसू से कोई नाता नहीं रहा।

वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर राधाकृष्ण किशोर भाजपा छोड़ आजसू में चले गए थे। उन्होंने स्वयं कहा था कि वे फूल ;कमलद्ध छोड़कर अब फल ;केलाद्ध में आ गए हैं। चुनाव में जीत तो नहीं मिलीए लेकिन चुनाव के बाद आजसू से उनका कोई नाता भी नहीं रहा। वर्तमान में वे राजद में हैं।

महागठबंधन के तहत घाटशिला सीट झामुमो के कोटे में चले जाने के कारण टिकट से वंचित कांग्रेस के प्रदीप बलमुचू भी आनन.फानन में आजसू में शामिल हो गए। उन्हें टिकट भी मिला। हार के बाद ये कभी भी आजसू में सक्रिय नहीं रहे। बाद में कांग्रेस में वापसी कर गए।

भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर ताला मरांडी भी आजसू में शामिल हो गए थे। हार के बाद इनकी भी भाजपा में वापसी हो गई। अकील अ तर जैसे नेता अभी भी आजसू में मजबूती से बने हुए हैं।

वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन में सीट कांग्रेस के कोटे में चले जाने के कारण ये आजसू में शामिल हुए थे। कभी आजसू में रहे प्रवीण प्रभाकर ने नेशनल पीपुल्स पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था। हार के बाद ये भाजपा में शामिल हो गए।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार

राउरकेला, गुरूवार 25 अप्रैल 2024

डालमिया सीमेंट राजगांगपुर द्वारा स्पंदन में नये टीकाकरण केंद्र का उद्घाटन

राजगांगपुर २४/०४ (संवाददाता): डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड राजगांगपुर द्वारा जिला स्वास्थ्य समिति एनएचएम सुंदरगढ़ एवं स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभागए ओडिशा सरकार के सहयोग से संयंत्र के स्पंदन स्वास्थ्य केंद्र में एक नया टीकाकरण केंद्र का उद्घाटन किया गया। उक्त कार्यक्रम में डॉण् जेसी टोप्पो अधीक्षक सीएचसी राजगांगपुर, डॉ एम लता पिल्ले एमण्ओ-यूपीएचसी राजगांगपुर श्री बीएस राव एमपीएचडब्ल्यू राजगांगपुर सीएचसी श्री चेतन श्रीवास्तव डीसीबीएल के कार्यनिर्वाही निदेशक डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह एईडी और क्लस्टर मु य चिकित्सा अधिकारीए डॉ. कविता सिंह जीएम और मुख्य चिकित्सा अधिकारी राजगांगपुर अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस पहल से 1 महीने से 10 साल की उम्र के बच्चों को लाभ होगा। टीकाकरण सेवाएँ हर महीने के चौथे बुधवार को सुबह 7.00 बजे से 11.00 बजे के बीच उपलब्ध होंगी।

कार्यक्रम को स बोधित करते हुए डीसीबीएल के कार्यनिर्वाही निदेशक श्री चेतन श्रीवास्तव ने कहा कि हमें राजगांगपुर संयंत्र के स्पंदन स्वास्थ्य केंद्र में नया टीकाकरण केंद्र के उद्घाटन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। टीकाकरण केंद्र खोलने का उद्देश्य डीसीबीएल टाउनशिप के भीतर रहने वाली सभी आबादी को टीके आसानी से उपलब्ध करानाए टीकाकरण को सुनिश्चित करना और स पूर्ण प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाना है। यह केंद्र विशेषज्ञ डॉक्टरों और ओपीडी सुविधाओं की सीधी निगरानी में काम करेगा स इस कदम के साथ स्पंदन सभी कर्मचारियों और उनके परिवा के साथ.साथ आम जनता को भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करेगा। डीसीबीएल राजगांगपुर स्थित स्पंदन स्वास्थ्य केंद्र में समुदाय की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक समर्पित चिकित्सा टीम और आवश्यक सुविधाएं हैं। यहां प्रदान की जाने वाली सेवाओं में चिकित्सा परामर्श, फार्मेसी सेवाएँ और नर्सिंग देखभाल शामिल हैं। संयंत्र के कर्मचारियोंए उनके परिवार के सदस्यों और कॉलोनी के बाहर रहने वाले समुदायों के लिए ओपीडी सेवाओं के साथ.साथ 24X7 आपातकालीन और ए बुलेंस सेवा भी प्रदान की जाती है। यह स्वास्थ्य केंद्र आईपीडी सेवाएं और आपातकालीन वार्ड सेवाएं भी प्रदान करता है।

7 प्रशिक्षित नर्सों और अन्य पैरामेडिकल स्टाफ के अलावाए स्वास्थ्य केंद्र में समूह चिकित्सा अधिकारी मु य चिकित्सा अधिकारी और फैक्टरी चिकित्सा अधिकारी कार्यरत हैं।

ट्रेलर की टक्कर से वृद्ध गंभीर

राउरकेला २४/०४ (संवाददाता): सुंदरगढ़ जिले के हेमगिर थाना अंतर्गत कांधडुड़ा गांव में रविवार की शाम को ट्रेलर की टक्कर से वृद्ध गिर गए। गंभीर अवस्था में उन्हें पहले हेमगिर सरकार अस्पताल फिर वहां से बेहतर इलाज के लिए सुंदरगढ़ अस्पताल स्थानांतरित किया गया है। कांधडुड़ा गांव निवासी 60 वर्षीय नंदलाल भोई रविवार शाम को पैदल सड़क पर जा रहे थे तभी कोयला लेकर जा रहे ट्रेलर की टक्कर से उन्हें गंभीर चोट लगी। गांव वालों को इसका पता चलने के बाद वे वहां पहुंचे और उन्हें लेकर हेमगिर सरकारी अस्पताल गए जहां से नंदलाल को सुंदरगढ़ अस्पताल भेजा गया है। घटना के बाद चालक ट्रेलर लेकर फरार हो गया।

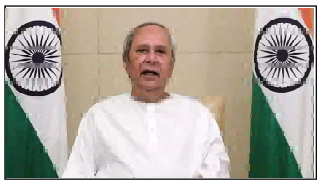

बीजद ने जारी की विधानसभा प्रत्याशियों की छठी लिस्ट, पांच विधायकों का कटा पत्ता

भुवनेश्वर २४/०४ (संवाददाता): बीजू जनता दल ने विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को अपने उ मीदवारों की छठी सूची जारी कर दी है। बीजद की छठी सूची में शामिल कुल 9 उ मीदवारों में से 4 नए चेहरे हैंए जबकि 4 महिला को भी टिकट दिया गया है।

वर्षा प्रियदर्शिनी को बड़चड़ाए सनातन महाकुड़ को चंपुआ विधानसभा सीट सेए केंद्रपाड़ा से गणेश्वर बेहेराए चिलिका से रघुनाथ साहू कोए आनंदपुर अभिमन्यु सेठी कोए सारसकणा से देवाशीष मरांडी कोए रेमुणा से विद्यास्मिता महालिक कोए सिमुलिया से सुभाषिनी साहू को एवं करंजिया विधानसभा सीट से बासंती हेंब्रम को बीजद ने अपना उ मीदवार बनाया है।

हालांकिए पार्टी ने अपनी छठी सूची में अपने पांच विधायकों के टिकट काट दिए हैं।

इसमें से तीन पूर्व मंत्री हैं। केंद्रपाड़ा विधायक तथा पूर्व मंत्री शशिभूषण बेहराए सिमुलिया विधायक ज्योति प्रकाश पाणिग्रही तथा बड़चणा विधायक अमर प्रसाद शतपथी का टिकट कटा हैए जो पूर्व में मंत्री रह चुके हैं।इसके अलावा आनंदपुर विधायक भागीरथी सेठी तथा चंपुआ विधायक मीनाक्षी महंत का नाम शामिल हैए जिन्हें बीजद ने इस बार टिकट नहीं दिया है।

उल्लेखनीय है कि बीजद ने अभी तक 147 विधानसभा सीट में से 135 सीट पर अपने उ मीदवार घोषित कर दिए हैं। 12 सीट पर अभी भी उ मीदवार घोषित करने हैं।वहींए भाजपा ने अभी तक 16 सीटों पर नाम घोषित नहीं किए हैंए जबकि कांग्रेस ने अभी तक 125 सीट पर अपने उ मीदवार उतारे हैं। पार्टी ने 22 सीट पर अभी उ मीदवार घोषित नहीं किए हैं। बीजद ने अभी तक घोषित 135 विधानसभा सीट में से 32 महिला उ मीदवार उतारे हैं।

सात जुलाई निकाली जाएगी विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा, अधिकारियों ने तैयारी को लेकर की बैठक

भुवनेश्वर २४/०४ (संवाददाता): विश्व प्रसिद्ध घोषयात्रा ;रथयात्रा इस वर्ष सात जुलाई को निकाली जाएगी। रथ यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करने के लिए पुरी जिला कलेक्टर बिजय कुमार दास की अध्यक्षता में दूसरी तैयारी बैठक आयोजित की गई। जिला कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को आदर्श आचार संहिता को गंभीरता से लेते हुए चुनाव के मद्देनजर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में कानून व्यवस्था, पार्किंग, यातायात नियंत्रण के साथ.साथ नीतियों को सुव्यवस्थित करने पर चर्चा हुई। उधर, भगवान के नवयौवन, नेत्रोत्सव और रथ यात्रा इस वर्ष एक ही दिन है। ऐसे में इस पर भी विस्तार से चर्चा हुई है।

बैठक में पिछले वर्ष रथयात्रा के दौरान हुई गलतियों को सुधारते हुए काम करने के लिए जिला कलेक्टर ने सलाह दी है। इसके अलावा बैठकमें अक्षय तृतीया से सोना वेश तक महाप्रभु की रीति.नीतिए पुरी आने वाली भक्तों की भीड़ए पेयजल आपूर्तिए स्वास्थ्य सेवा तथा साफसफाई के साथ कानून व्यवस्था को लेकर बैठक में चर्चा हुई है।

संबलपुर में पुलिस को बड़ी कामयाबी, 22 बंदूक जब्त, मास्टरमाइंड सहित तीन को धर दबोचा

संबलपुर २४/०४ (संवाददाता): संबलपुर स्थित जुजुमुरा थाना के बासुपाली गांव में पिछले करीब दो साल से चल रहे एक अवैध बंदूक फैक्ट्री का पर्दाफाश किया गया है।

इस दौरान पुलिस ने कारोबार के मास्टरमाइंड विद्याधर प्रधान समेत तीन को गिर तार किया है। साथ ही 22 देसी बंदूक समेत बंदूक बनाने के कई उपकरण जब्त किए हैं।

वहींए पूछताछ के बाद तीनों आरोपितों के खिलाफ आ र्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

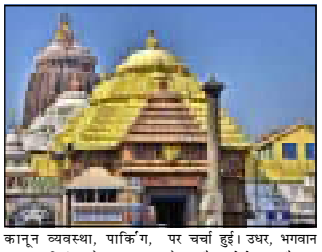

मंगलवार को संबलपुर जिला पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला पुलिस अधीक्षक मुकेश भामूए कुचिंडा एसडीपीओ अमिताभ पंडाए सदर एसडीपीओ तोफान बाग उपस्थित रहे।

इस दौरान उन्होंने बताया कि एक विश्वसनीय सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जमनकिरा थाना अंतर्गत चिरगोनखोल गांव के गणेश सिंह और अरुण भोई के घर छापेमारी कर दो देसी बंदूक जब्त किया।

दोनों से पूछताछ के बाद मिली जानकारी के बाद पुलिस ने जुजुमुरा थाना अंतर्गत बासुपाली गांव के विद्याधर प्रधान के घर छापेमारी की। पुलिस को देख विद्याधर धमकी देने लगाए लेकिन पुलिस की टीम ने आखिर उसे दबोच लिया।

पुलिस की ओर से बताया गया कि विद्याधर देसी बंदूक बनाकर 10 से 15 हजार रुपये में बेचा करता था। विद्याधर से सघन पूछताछ के बाद विभिन्न स्थानों में छापेमारी कर बेचे गए 22 देसी.विदेशी बंदूकों को अब तक जब्त किया गया है। इसके अलावा मास्टरमाइंड विद्याधर के घर से बंदूक के तीन बटए चार बैरल समेत कई अन्य उपकरण जब्त किए गए।

जाजपुर लोकसभा और 7 विधानसभा सीट पर निर्णायक होंगी महिला मतदाता, तीन पार्टियों ने उतारे 7 उमीदवार

भुवनेश्वर २४/०४ (संवाददाता): जाजपुर जिला की 7 विधानसभा सीट के लिए तीन प्रमुख राजनीतिक दल बीजदए भाजपा एवं कांग्रेस की तरफ से अभी तक घोषित उ मीदवारों में 7 महिला उ मीदवार है। इसके साथ ही जाजपुर लोकसभा सीट के लिए बीजद ने महिला उमीदवार उतारा है। परिणाम स्वरूप इस बार महिला मतदाताओं की भूमिका निर्णायक होने का आकलन किया जा रहा है। जाजपुर जिले में 7 विधानसभा सीट के साथ एक लोकसभा सीट पर 1 जून को मतदान होना है। अभी तक सभी विधानसभा सीट पर पार्टियां अपने उ मीदवार घोषित नहीं किए हैं। बीजद ने बिंझारपुर सीट पर महिला उ मीदवार प्रमिला मलिकए जाजपुर विधानसभा सीट पर सुजाता साहू को उमीदवार बनाया है जबकि लोकसभा सीट पर पर शर्मिष्ठा सेठी को पार्टी ने उ मीदवार बनाया है। बीजद ने अभी तक कोरईए बरी एवं बड़चड़ा सीट पर उ मीदवार घोषित नहीं किया है। उसी तरह भाजपा ने बिंझारपुर में बबिता मलिक एवं धर्मशाला से स्मृतिरेखा पही को उ मीदवार बनाया है। भाजपा ने अभी तक बरी सीट पर अपने उ मीदवार घोषित नहीं किए हैं।

कांग्रेस ने भी जिले की 5 सीट पर उ मीदवार घोषित किया है। कांग्रेस ने भी पांच में से तीन सीट पर महिला उ मीदवार उतारा है। कांग्रेस ने कोरई विधानसभा सीट से वंदिता परिड़ाए बरी से आरती देव एवं बिंझारपुर से कनकलता मलिक को उ मीदवार बनाया है।

कांग्रेस सुकींदा एवं बड़चड़ा के लिए उ मीद घोषित नहीं किए हैं। जाजपुर जिले में सभी राजनीतिक दलों ने इस बार महिला उमीदवार को महत्व दिया है। जिले में 50 प्रतिशत महिला मतदाता है और महिलाओं के वोट निर्णायक होने की बात कही जा रही है। यहां उल्लेखनीय है कि जिले में अभी 15 लाख 39 हजार 537 मतदाताओं में से 7 लाख 47 हजार 524 महिला मतदाता हैं। महिला उ मीदवारों को जीताने में महिला मतदाता किस प्रकार की भूमिका निभाती हैंए वह चुनाव के बाद पता चलेगा।

JOIN ARMY DENTAL CORPS

AS SHORT SERVICE COMMISSIONED OFFICER FOR A PROMISING & CHALLENGING CAREER: 2024

सेना डेंटल कोर में अल्पसेवा कमीशन के लिए भारतीय नागरिकों पुरुष और महिला दोनों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

योग्यता: उम्मीदवारों को डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीआई) द्वारा मान्यता प्राप्त कॉलेज / विश्वविद्यालय से बीडीएस / एमडीएस डिग्री धारक होना चाहिए।

आयु सीमा: उम्मीदवार की आयु 31 दिसम्बर 2024 को 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

Online applications are invited from Indian citizens, both male and female, for grant of Short Service Commission in the Army Dental Corps.

QUALIFICATION: Candidates must be BDS/ MDS Degree Holder from a College/ University recognized by Dental Council of India (DCI).

AGE LIMIT: The candidate must be not have attained **45 years** of age as on **31 Dec 2024**

अधिक जानकारी के लिए 20 अप्रैल 2024 का Employment News/ Rozgar Samachar देखें। पात्रता का विवरण, शर्तें, अनुदेश और ऑनलाइन आवेदन 06 मई 2024 के पश्चात www.joinindianarmy.nic.in वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।

For more information, see Employment News/ Rozgar Samachar issue of 20 Apr 2024. Details of Eligibility, Terms & Conditions, Instructions and Online Applications will be available on the website www.joinindianarmy.nic.in from 06 May 2024 onwards.

Scan QR Code to apply online 06 May 2024 onwards

CBC 10601/11/0006/2425